mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-126 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
08 मई 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बंगाल में सुवेंदु के पीए की हत्या, 3 हिरासत में

2 गोलियां सीने के पार; मां बोलीं ममता की हार का बदला बेटे से लिया

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि इन्हें कहां से पकड़ा गया है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इधर, चंद्रनाथ रथ की मां ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हराया, इसलिए बदले की भावना से मेरे बेटे की हत्या की गई। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद उन्हें कोई नहीं बचा पाएगा।

हालांकि पहले चंद्रनाथ को 4 गोलियां लगने की खबर आई थी। लेकिन पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। भाजपा का आरोप है कि रथ की हत्या की साजिश TMC ने ही रची थी।

चंद्रनाथ की हत्या बुधवार देर रात 10.30 बजे कर दी गई। वे कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर लौट रहे थे। कोलकाता से करीब 20 द्मद्व दूर डोलतला से एक कार आई, और उनकी स्कॉर्पियो के सामने जाकर खड़ी हो गई।इसी बीच बाइक पर आए हमलावर ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की। दो गोलियां चंद्रनाथ के सीने से आर-पार हो गई। एक गोली पेट में लगी। उनके ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी।घटना के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रनाथ को मृत घोषित कर दिया।

सुवेंदु अधिकारी बोले- 2-3 दिनों तक रेकी के बाद हुई हत्या: सुवेंदु अधिकारी ने पीए की हत्या को प्लान्ड मर्डर बताया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि भाजपा बंगाल में गुंडों की सफाई का काम शुरू करेगी।

ऑपरेशन सिंदूर का एक साल

सेना बोली:आतंकवाद से लड़ते रहेंगे

एयर मार्शल अवधेश भारती ने कहा- सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा हमला दोबारा न हो

जयपुर,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा।

गुरुवार को भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुख जयपुर के साउथ वेस्टर्न कमांड में जुटे। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सैन्य अभियान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पिछले कई दशकों में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया।

पहलगाम हमले में मारे गए हमारे भाई-बहनों को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसा हमला दोबारा न हो। हमारा ऑब्जेक्टिव क्लियर था और ऑपरेशन के लिए पूरी छूट दी गई थी।

प्रेस कॉन्फ्रेस में लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए मिनवाला, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, एयर मार्शल अवधेश कुमार और वाइस एडमिरल ए एन प्रमोद सहित सेना के कई अधिकारी मौजूद रहे।

जुबिन ए मिनवाला इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) राजीव घई डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन और डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ, एयर मार्शल अवधेश कुमार डायरेक्ट जनरल एयर ऑपरेशन और वाइस एडमिरल ए एन प्रमोद डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना की तरफ से इन तीन ऑफिसर ने ही प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

ऑपरेशन सिंदूर का एक साल: पीएम मोदी ने सोशल मीडिया डीपी बदली, ऑपरेशन का लोगो लगाया

लिखा- देश सेनाओं के शौर्य को सलाम करता है

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी डिस्प्ले पिक्चर बदलकर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो लगाया है। यह पहल पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किए गए सैन्य ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना के साहस को ट्रिब्यूट देने के लिए की गई।

अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (PoJK) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया था।

विजय 118 विधायकों का समर्थन दिखाएं, तभी शपथ

तमिलनाडु गवर्नर ने स्थायी सरकार का हवाला दिया;टीवीके के पास 113 विधायक जो बहुमत से 5 कम

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली TVK के लिए सरकार गठन मुश्किल होता दिख रहा है। पार्टी चीफ और एक्टर विजय गुरुवार को लगातार दूसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मिलने लोकभवन पहुंचे। करीब एक घंटे बाद वहां से रवाना हुए।अब सूत्रों ने बताया है कि विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ तभी ले सकेंगे, जब राज्यपाल को 118 विधायकों का समर्थन दिखाएंगे। राज्यपाल ने उनसे कहा है कि वे राज्य में स्थिर सरकार चाहते हैं।इसलिए सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले 118 विधायक होने जरूरी हैं।विजय ने बुधवार को राज्यपाल अर्लेकर को 113 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा था। राज्यपाल ने 118 विधायकों के समर्थन के पत्र की मांग की थी। विजय ने बहुमत साबित करने के लिए थोड़ा समय मांगा था। 234 सदस्यीय विधानसभा में TVK के पास 108 सीटें हैं। विजय दो सीटों पर जीते हैं, इसलिए एक सीट छोड़ने पर यह 107 रह जाएंगी। कुल सीटें 233 होने पर भी बहुमत 118 ही रहेगा, इसलिए TVK को 11 और विधायक चाहिए। कांग्रेस के 5 विधायकों ने उन्हें समर्थन दिया है।

DMK और AIADMK के बीच सरकार गठन पर चर्चा की अटकलें: मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक-दूसरे की प्रतिद्वंदी DMK और AIADMK के बीच भी सरकार गठन को लेकर चर्चा चल रही है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों दलों के नेताओं के बीच बैकचैनल बातचीत चल रही है।

शादी की सालगिरह पर महेश जोशी गिरफ्तार

सुबह 4:30 बजे एसीबी पूर्व मंत्री के घर पहुंची; बोले- सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं

जयपुर ,एजेंसी। भ्ष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने पूर्व मंत्री महेश जोशी को जयपुर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया है। जल जीवन मिशन (JJM) में हुए करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले में एसीबी की SIT ने यह कार्रवाई की है। आज ही जोशी की शादी की सालगिरह भी है।

DIG डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया- ACB SIT सुबह करीब साढ़े चार बजे सैन कॉलोनी, पावर हाउस रोड, जयपुर रेलवे स्टेशन के पास पहुंच गई थी। यहां महेश जोशी को उनके आवास से पकड़ा गया।

सुबह करीब 10 बजे जयपुरिया हॉस्पिटल में मेडिकल कराया गया। मेडिकल टेस्ट के बाद महेश जोशी को एक बार फिर ACB मुख्यालय लाया गया। इसके बाद दोपहर करीब 12:30 बजे उन्हें एसीबी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने महेश जोशी को 5 दिन के रिमांड पर भेज दिया है।

आर्ट ऑफ लिविंग के 45 साल:10 मई को कार्यक्रम में पीएम मोदी शामिल होंगे, 182 देशों से लोग आएंगे

बेंगलुरु,एजेंसी। 'आर्ट ऑफ लिविंग' 10 मई को स्थापना के 45 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इसके संस्थापक गुरुदेव श्रीश्री रवि शंकर 13 मई को 70वां जन्मदिवस मनाएंगे। इन दो आयोजनों के ऐतिहासिक संयोग पर बेंगलुरु में महाआयोजन होने जा रहा है। वैश्विक समागम में 182 से अधिक देशों के प्रतिभागी प्रत्यक्ष और ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित होंगे। 10 मई से शुरू हो रहे आयोजन 26 मई तक चलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके साक्षी बनेंगे। वे 10 मई को आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे और शुभकामनाएं देंगे।

पीएम मेडिटेशन हॉल 'ध्यान मंदिर' का उद्घाटन करेंगे। साथ ही मेंटल हेल्थ, रूरल डेवलपमेंट, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक परिवर्तन से जुड़ी राष्ट्रव्यापी सेवा पहलों का भी शुभारंभ करेंगे।

हर धार्मिक प्रथा को कोर्ट में चुनौती ठीक नहीं

सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट बोला:इससे सैकड़ों केस आएंगे, धर्म-समाज पर असर पड़ेगा

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म के मामलों को संवैधानिक अदालत में चुनौती देने लगेंगे, तो इससे धर्म और सभ्यता पर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इससे सैकड़ों याचिकाएं आएंगी और हर रिवाज पर सवाल उठने लगेंगे।

यह टिप्पणी नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय का केस भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 40 साल पुरानी जनहित याचिका (PIL) की वैधता पर सवाल उठाए थे।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाएगा, तो भारतीय समाज पर असर पड़ेगा, क्योंकि यहां धर्म समाज से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हर अधिकार पर सवाल उठेंगे- मंदिर खुलने या बंद होने तक के मामले कोर्ट में आएंगे।जस्टिस एम एम सुन्द्रेश ने कहा कि अगर ऐसे विवादों को लगातार अनुमति दी गई, तो हर व्यक्ति हर चीज पर सवाल उठाएगा। उन्होंने कहा कि इससे धर्म टूट सकते हैं और संवैधानिक अदालतों पर भी असर पड़ेगा।

- **मामला दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ा:** यह मामला दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ा है। समुदाय के केंद्रीय बोर्ड ने 1986 में जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें 1962 के फैसले को चुनौती दी गई थी। उस फैसले में बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ एक्सकम्युनिकेशन एक्ट, 1949 रद्द कर दिया गया था। इस कानून के तहत किसी सदस्य को समुदाय से बाहर करना गैरकानूनी था।1962 के फैसले में कहा गया था कि धार्मिक आधार पर किसी सदस्य को समुदाय से बाहर करना, समुदाय के धार्मिक मामलों के प्रबंधन का हिस्सा है। इसलिए 1949 का कानून संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत मिले अधिकारों का उल्लंघन करता है।
- **धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं:** सुधारवादी दाऊदी बोहरा समूह की ओर से वरिष्ठ वकील राजू रामचंद्रन ने कोर्ट में दलील दी कि अगर कोई प्रथा सामाजिक या निजी कारणों से जुड़ी है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए।उन्होंने कहा कि कोई भी प्रथा अगर मौलिक अधिकारों पर नकारात्मक असर डालती है, तो उसे सीमित किया जा सकता है।

दिल्ली में महिलाओं-बुजुर्गों के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध

साल 2024 में महिलाओं के खिलाफ 13,396 केस दर्ज; तमिलनाडु में 2023 की तुलना में 1.5प्रतिशत कम क्राइम

नई दिल्ली,एजेंसी। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने साल 2024 में देश में हुए क्राइम की रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक राजधानी दिल्ली में महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। रिपोर्ट बताती है कि 2024 में मेट्रो शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामले में शीर्ष पर रही है। 2024 में महिलाओं के खिलाफ 13,396 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में 13,366 थे।तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ अपराध घटे हैं। 2024 में महिलाओं के खिलाफ 4,41,534 मामले दर्ज हुए, जो 2023 से 1.5% कम थे। सबसे अधिक 27.2% मामले पति के क्रूरता और अपहरण से संबंधित थे।

दिल्ली में बुजुर्गों के खिलाफ अपराध बढ़ा: दिल्ली में बुजुर्गों के खिलाफ 1,267 अपराध दर्ज किए गए।

सम्राट कैबिनेट:नीतीश के बेटे समेत 32 मंत्री बने

पीएम ने पूर्व सीएम को बुलाया, हाथ पकड़कर पास लाए, नीतीश ने प्रधानमंत्री के कंधे पर हाथ रखा

पटना,एजेंसी। सम्राट चौधरी के ष्टरू बनने के 22 दिन बाद आज गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतीश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए।

नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, LJP(R)-2, HAM और RLM से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली है।पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं।समारोह में पीएम मोदी भी शामिल हुए हैं।

कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया। मंच पर उनसे हाथ मिलाया, इस दौरान नीतीश कुमार ने पीएम का कंधा पकड़कर हिला दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में सीधे राष्ट्रगान बजाया गया, जबकि प्रोटोकॉल के हिसाब से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम् बजाया जाना था।दो बार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री रहे मंगल पांडेय इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है, खबर है कि पार्टी में उन्हें बड़ी जगह दी जाएगी।

भारत- पहली बार 50 हजार जवानों की अलग ड्रोन फोर्स

बीएसएफ और आईटीबीपी में भी बनेंगी, किसी भी सैन्य हमले में सबसे पहले यही प्रहार करेंगी

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर, रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के बाद भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान ने एक 'ड्रोन फोर्स' बनाने का फैसला किया है। यह फोर्स किसी भी सैन्य कार्रवाई में 'फर्स्ट रेस्पोंडर' (पहली जवाबी कार्रवाई) के तौर पर तैनात की जाएगी। इसे डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर फोर्स का तकनीकी का सपोर्ट होगा।

इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के अनुसार इस फोर्स के लिए अभी 50 हजार सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अगले 3 साल में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे। यहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी।

भविष्य में BSF और ITBP जैसे सुरक्षा बलों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। यह फोर्स इंटेलिजेंस, सर्विलांस और सटीक प्रहार की दोहरी भूमिका निभाएगी। इस तंत्र को वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के 'आकाशतीर' सिस्टम का कवच मिलेगा।

डिफेंस ईकोसिस्टम भी नया, तीनों सेनाएं एकऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत ने खुद को रक्षा उत्पादन में काफी मजबूत किया है। यह 1.54 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। तीनों सेनाओं की थिएटर कमान बन रही है। दुश्मन के सस्ते ड्रोन्स से निपटने के लिए अब किफायती 'सॉफ्ट किल' (जैमिंग/स्पूफिंग) और 'हार्ड किल' (लेजर-आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन) तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।ड्रोन फोर्स का विचार पिछले साल तब आया, जब पाकिस्तान ने 1,000 ड्रोन्स से हमला किया। उसका मकसद हमारे एयर डिफेंस गैप्स को समझना और महंगे मिसाइल डिफेंस सिस्टम को सस्ते ड्रोन्स के जरिए आर्थिक नुकसान पहुंचाना था।

समुद्र के नीले रंग के पीछे छिपी है वैज्ञानिक वजह

नई दिल्ली , एजेंसी। आम धारणा है कि समुद्र इसलिए नीला दिखता है क्योंकि वह आसमान की नीली परछाई को प्रतिबिंबित करता है। वैज्ञानिकों की माने तो यह धारणा गलत है। इसके पीछे प्रकाश के व्यवहार तथा पानी की अनूठी विशेषताओं से जुड़ी एक दिलचस्प वैज्ञानिक वजह छिपी है। यह प्रक्रिया उतनी सरल नहीं जितनी दिखती है, बल्कि इसमें भौतिकी के मूलभूत नियम शामिल हैं जो सूर्य के प्रकाश और जल के अणुओं की परस्पर क्रिया को नियंत्रित करते हैं। सूर्य की रोशनी हमें सफेद दिखती है, लेकिन असल में यह सात रंगों के स्पेक्ट्रम (लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, गहरा नीला

और बैंगनी) से बनी होती है। इन सभी रंगों की तरंगदैर्ध्य (वेवलेंथ) अलग-अलग होती है। लाल रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे लंबी होती है, जबकि नीले और बैंगनी रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे छोटी होती है। यही तरंगदैर्ध्य का अंतर समुद्र के रंग को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब सूर्य की रोशनी समुद्र के पानी में प्रवेश करती है, तो पानी के अणु लंबी तरंगदैर्ध्य वाली रोशनी (जैसे लाल, नारंगी और पीली) को तेज़ी से सोख लेते हैं।

ये रंग पानी में ज़्यादा गहराई में जाने से पहले ही लगभग समाप्त हो जाते हैं, क्योंकि उनकी ऊर्जा पानी के अणुओं द्वारा अवशोषित कर ली जाती है। इसके विपरीत, छोटी तरंगदैर्ध्य वाली नीली रोशनी पानी में ज़्यादा गहराई तक पहुँच पाती है और पानी के अणुओं तथा उसमें मौजूद छोटे कणों से टकराकर चारों तरफ बिखर जाती है (स्कैटर होती है)। यह बिखराव (स्कैटरिंग) नीले रंग को चारों दिशाओं में फैला देता है। इसी वजह से, जब हम समुद्र की सतह की ओर देखते हैं, तो हमारी आँखों तक ज़्यादातर नीली रोशनी ही पहुँचती है, जिसके परिणामस्वरूप समुद्र हमें नीला दिखाई देता है। जितना गहरा और साफ पानी होता है, उतना ही गहरा नीला रंग दिखता है, क्योंकि रोशनी को अवशोषित होने और बिखरने के लिए अधिक अवसर मिलते हैं। यह प्रक्रिया आसमान के नीले होने से कुछ मिलती-जुलती है, जहाँ वायुमंडल में मौजूद अणु नीली रोशनी को ज़्यादा बिखेरते हैं (रेले स्कैटरिंग)। लेकिन समुद्र के मामले में मुख्य वजह पानी द्वारा रंगों का चयनात्मक अवशोषण (सेलेक्टिव एब्जॉर्प्शन) है, न कि केवल परावर्तन। अगर पानी बहुत कम मात्रा में हो, जैसे गिलास में, तो वह रंगहीन दिखता है क्योंकि रोशनी पूरी तरह से गुज़र जाती है और रंग सोखने का मौका नहीं मिलता। लेकिन समुद्र जैसी पानी की मोटी परत में, रंग सोखने और बिखरने का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। हालांकि, समुद्र का रंग हर जगह एक समान नहीं होता। यदि पानी में प्लैंकटन, कीचड़, तलछट या अन्य कण ज़्यादा हों, तो रंग हरा, भूरा या यहाँ तक कि लाल भी दिख सकता है। ये अशुद्धियाँ प्रकाश के अवशोषण और बिखराव के पैटर्न को बदल देती हैं, जिससे समुद्र का रंग विविधतापूर्ण दिखाई देता है।

त्योहारों पर स्टेशनों पर नहीं होगी भीड़भाड़, आनंद विहार-निजामुद्दीन समेत 76 बड़े स्टेशनों पर बनेंगे 'होल्डिंग एरिया'

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहार और छुट्टी के दिनों में नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल जैसी बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। रेलवे प्रशासन के सामने इस भीड़ को संभालने की चुनौती है। इसे ध्यान में रखकर पिछले वर्ष नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाया गया है। इससे भीड़ प्रबंधन में आसानी हुई है। उसके बाद रेलवे ने देश के अन्य बड़े स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए सलाहकार नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इनके सहयोग से होल्डिंग एरिया बनाने सहित भीड़ प्रबंधन के लिए अन्य प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। रेलवे बोर्ड ने आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, पुरानी दिल्ली, गाजियाबाद सहित देश के 76 बड़े रेलवे स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाने की घोषणा की थी। आनंद विहार टर्मिनल पर इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के लिए भी रेलवे बोर्ड की स्वीकृति मिल गई है। होल्डिंग एरिया के साथ ही सीवेज उपचार संयंत्र बनाने, स्टेशन परिसर के साथ ही आसपास के क्षेत्र के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने को भी कहा गया है। प्लेटफार्म पर भीड़ न बढ़े इसके लिए यात्रियों को होल्डिंग रोका जाएगा। होल्डिंग एरिया के साथ ही प्लेटफार्म पर एआइ आधारित कैमरे लगाए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि होल्डिंग एरिया और इसमें यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञ की मदद ली जाएगी। इसके लिए रेलवे भूमि विकास प्राधिककरण (आरएलडीए) सलाहकार की नियुक्ति करेगा। उत्तर रेलवे, पूर्व रेलवे, पश्चिम रेलवे और दक्षिण रेलवे में सलाहकार की नियुक्ति करने के लिए आरएलडीए द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है।

हर तीन मिनट पर सड़क पर नई गाड़ी; चंडीगढ़ में पार्किंग व्यवस्था बेहाल, अभी न सभलें तो समस्या होगी गंभीर

चंडीगढ़, एजेंसी। पांच लाख की आबादी के लिए बसाए गए चंडीगढ़ में हर तीन मिनट में एक नई कार सड़क पर उतर रही है। दस हजार नंबरों की नई सीरीज दो महीने में ही खत्म हो रही है। जमीनी हकीकत यह है कि अब पार्किंग के लिए जगह नहीं बची है। ग्रीन बेल्ट हो या साइकिल ट्रैक सभी पार्किंग की भेंट चढ़ चुकी है। कड़वी सच्चाई यह है कि इंसाफ के मंदिर कहे जाने वाले हाईकोर्ट या डिस्ट्रिक कोर्ट में भी कारों की दोहरी लाइनें लगने लगी हैं। अभी न संभले तो समस्या गंभीर हो जाएगी। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि फ्रांसीसी आर्किटेक्ट ली कार्बूजिए शायद 60 वर्ष बाद का भविष्य देखते हुए शहर को गढ़ रहे थे लेकिन जनसंख्या और वाहनों का विस्फोट उनके गढ़े मॉडल से कहीं आगे निकल चुका है। चंडीगढ़ देश में सर्वाधिक कारों के घनत्व वाला शहर बन चुका है। यह समृद्धि गौरव का विषय होने के साथ ही गंभीर समस्या भी बन चुकी है।

अभी आबादी 12 लाख, 2051 में 23 लाख होगी : अभी चंडीगढ़ की आबादी 12 लाख है। 2051 तक यह बढ़कर दो गुना होगी। ट्राईसिटी में 2051 तक आबादी 45 लाख प्रोजेक्टिड है। प्रशासन न तो नई गाड़ियों के सड़क पर उतरने की रफ्तार को कम कर पाया है, न ही कोई योजना पार्किंग स्पेस देने की बना पाया। सड़क, पार्क, ग्रीन बेल्ट, फुटपाथ और खेल के मैदान हर जगह कारें खड़ी दिखाई देती हैं और प्रशासन मूकदर्शक बन इस बिगड़ती स्थिति को देख रहा है।

पार्क बन गए पार्किंग स्थल : घनी आबादी वाले इलाकों में पार्किंग की समस्या सबसे ज्यादा है। वहां तेजी से लोग दोपहिया से चारपहिया की तरफ जा रहे हैं। इन इलाकों में पहले ही पार्किंग की जगह नहीं है, ऐसे में लोगों ने कालोनियों के छोटे-छोटे पार्कों में गाड़ियां खड़ी कर उसे पार्किंग बना दिया है। आलम यह है कि अब पार्कों में भी जगह नहीं बची है। ऐसे में सड़कों पर गाड़ियां खड़ी होने लगी हैं।

शहर में बढ़ते वाहन और पार्किंग स्पेस : 1000 लोगों पर 731 कार, यह पूरे देश में सबसे अधिक 89 पेड पार्किंग स्थलों में 22725 कारों के लिए स्पेस 200 फ्री पार्किंग फिर भी स्पेस नहीं 202 में 38659 नई कार पंजीकृत हुई पूरे शहर में दस लाख से अधिक वाहन मौजूद 3724 पेट्रोल डीजल की सरकारी गाड़ियां रोजाना 175 से अधिक गाड़ियां रोड पर उतर रही ।

विशेष निरोधात्मक अभियान : प्रदेश में 1 लाख 59 हजार 96 लीटर वॉश नष्ट

जयपुर एजेंसी। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए। प्रदेश में 207 गिरफ्तार 742 अभियोग दर्ज आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 1 से 6 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 742 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में 9 लाख 7 हजार 751 रूपए लागत की 3378.28 लीटर देशी मदिरा, 8 लाख 22 हजार 490 रूपए की 824.83 लीटर भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 2 लाख 98 हजार 767 रूपए की 1361.55 लीटर बीयर एवं 4388 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई है। इसी क्रम में एक लाख 59 हजार 96 लीटर वॉश नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान 2 चार पहिया एवं 10 दुपहिया वाहन सहित 12 वाहन जब्त करते हुए 207 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रदेश में अवैध शराब पर कार्रवाई : आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्यों से शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। डूंगरपुर में आबकारी दल ने गश्त के दौरान एक महिंद्रा बोलेरो वाहन से 10 कार्टन बीयर जब्त कर अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार किया। बीकानेर जोन के तहत लूणकरणसर एवं बीकानेर ग्रामीण, हनुमानगढ़ में संगरिया, नोहर, चूरू में सुजानगढ़, श्रीगंगानगर में सूरतगढ़ व श्रीकरणपुर में ईपीएफ दल की दबिश कार्रवाई में 9 अभियोग दर्ज करते हुए 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। विभिन्न कार्रवाई में 4100 लीटर उत्तेजित वॉश एवं 5 भट्टियां नष्ट की गई। देशी शराब के 195 पव्वे, हथकड़ शराब 92 लीटर बरामद की गई। ब्यावर में मुखबिर की सूचना पर आबकारी निरोधक दल ब्यावर एवं जैतारण की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बिखरनिया का बाडिया में ड्रम भट्टी चलाकर हथकड़ शराब भंडारण पर दबिश दी। मौके पर 55 लीटर शराब बरामद की।

गाजियाबाद के 20 हजार उपभोक्ताओं को बड़ी राहत: 20 मई से सुदामापुरी बिजलीघर से बंद होगी शाहबेरी की आपूर्ति, मिलेगी निर्बाध बिजली

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले के सुदामापुरी बिजलीघर से गौतमबुद्धनगर के शाहबेरी, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को दी जा रही बिजली आपूर्ति 20 मई से बंद कर दी जाएगी। शाहबेरी में 20 एमवीए क्षमता का नया बिजलीघर बनकर तैयार हो गया है, जिसे जल्द ही लोड पर लिया जाएगा। इसके शुरू होते ही शाहबेरी क्षेत्र को स्थानीय स्तर से ही बिजली मिलने लगेगी और जिले पर पड़ रहा अतिरिक्त दबाव कम हो जाएगा। विद्युत निगम के अधिकारियों के मुताबिक अब तक सुदामापुरी बिजलीघर से शाहबेरी के दो फीडरों को नियमित आपूर्ति की जाती थी। इससे गाजियाबाद के कई इलाकों में ओवरलोडिंग की स्थिति बनती थी, जिसके कारण ट्रिपिंग और फाल्ट की शिकायतें भी सामने आती थीं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अकबरपुर-बहरामपुर और बागू के करीब 20 हजार उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर राहत मिलने की उम्मीद है। शाहबेरी में स्थापित नए बिजलीघर के चालू होने के बाद वहां की आपूर्ति पूरी तरह स्थानीय फीडरों से की जाएगी। इससे दूसरे जिले पर निर्भरता समाप्त होगी और आपूर्ति व्यवस्था अधिक संतुलित हो सकेगी। जोन-प्रथम के मुख्य अभियंता पवन कुमार अग्रवाल ने बताया कि शाहबेरी को दी जा रही आपूर्ति बंद होने के बाद सुदामापुरी से बची हुई बिजली को अकबरपुर बहरामपुर और बागू क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन इलाकों में लंबे समय से अधिक लोड की समस्या बनी हुई है। जिससे यहां बिजली कटौती की समस्या भी बनी रहती है। अतिरिक्त आपूर्ति मिलने से यहां के उपभोक्ताओं को बेहतर व निर्बाध बिजली मिल सकेगी।

उत्तराखंड में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट, तापमान गिरेगा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में गुरुवार सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहने के कारण धूप नहीं निकल सकी। दोपहर करीब 12 बजे के बाद बादलों की ओट से हल्की धूप निकली, लेकिन मौसम में ठंडक बनी रही। कई जिलों में आज हल्की से मध्यम बारिश, गर्जन और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी और नैनीताल जिलों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और 3600 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। वहीं अन्य जिलों में भी कुछ स्थानों पर बारिश और गर्जन के आसार हैं। विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के मैदानी क्षेत्रों में कम दर्ज किया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सूरीनाम के राष्ट्रपति से की मुलाकात

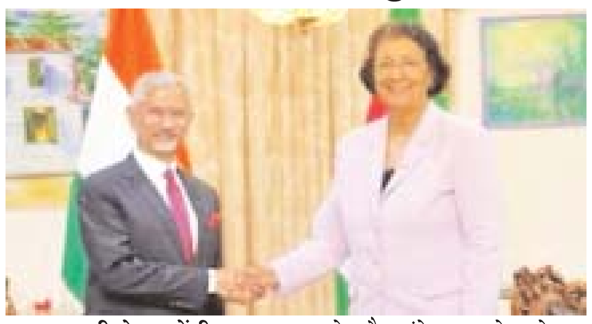

पारामारीबो, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-सीमंस से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों की 'पूरी क्षमता' को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जयशंकर नौ दिवसीय तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में सूरीनाम पहुंचे हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज दोपहर सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-सीमंस से मिलकर खुशी हुई।

भारत की ओर से सूरीनाम की सरकार और जनता को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। हमारे दोनों राष्ट्र गहरे और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'द्विपक्षीय संबंधों को लेकर की बैठकइससे पहले दिन में, भारतीय और सूरीनामी प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त आयोग की बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा में भाग लिया। एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में जयशंकर ने बताया कि बैठक में व्यापार, डिजिटल और निवेश, रक्षा और ऊर्जा, विकास सहायता और क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य और गतिशीलता, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

रूस-यूक्रेन में फिर बढ़ा तनाव, एकतरफा संघर्ष विराम के बीच रातभर हुए हमलों में कई मौतें

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन द्वारा घोषित एकतरफा संघर्ष विराम की अनदेखी करते हुए रातभर दर्जनों ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यूक्रेन द्वारा आधी रात से लागू किए गए युद्धविराम के बावजूद हमले जारी रहे। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि यूक्रेन ने स्वयं अपने युद्धविराम का पालन नहीं किया। रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक रूसी क्षेत्रों, क्रीमिया प्रायद्वीप और काला सागर के ऊपर 53 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।रूस द्वारा नियुक्त गवर्नर सर्गेई अक्स्योनोव ने कहा, क्रीमिया के झानकोय शहर पर यूक्रेन के ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आधी रात के बाद हताहतों की जानकारी दी, जबकि हमले के बारे में उन्होंने करीब 90 मिनट पहले पोस्ट किया था। मॉस्को की ओर से यूक्रेन के

युद्धविराम का पालन करने का कोई संकेत नहीं मिला था और युद्धविराम की उम्मीद भी कम ही थी, क्योंकि रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद यह युद्ध का पांचवा साल है। रूसी हमलों में 27 मौतें, 120 घायलः यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने कहा, मंगलवार को रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में 27 लोगों की मौत हुई और 120 अन्य घायल हुए, जिनमें सभी नागरिक थे। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 15,000 से अधिक नागरिकों की मौत हो चुकी है। दोनों पक्ष लंबी दूरी के हमले जारी रखे हुए हैं। लगभग 1,250 किमी लंबी अग्रिम पंक्ति पर रूस की बड़ी सेना यूक्रेन की ड्रोन-आधारित रक्षा के खिलाफ धीमी और महंगी लड़ाई में उलझी हुई है।दोनों पक्षों में गहरा अविश्वास...युद्धविराम मुश्किलयूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने कहा कि रूसी बलों ने रातभर में 108 ड्रोन और तीन मिसाइलें दागीं और हमले बुधवार सुबह तक जारी रहे। उन्होंने एक्स पर कहा, मॉस्को ने एक बार फिर संघर्ष समाप्त करने की यथार्थवादी और न्यायसंगत अपील को नजरअंदाज किया, जिसे अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन प्राप्त था। रूस द्वारा शुक्रवार और शनिवार को युद्धविराम का प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब वह विभिन्न मौकों, विशेषकर हाल में ईस्टर जैसे पर्व पर अल्पकालिक युद्धविराम घोषित करता रहा है। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच गहरे अविश्वास के कारण ऐसे युद्धविराम का कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है।यूरोप ने यूक्रेनी कदम का किया स्वागतयूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एकतरफा युद्धविराम की घोषणा उस समय की थी, जब रूस ने इस सप्ताह के अंत में द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी की हार की 81वीं वर्षगांठ के अवसर पर दो दिनों के युद्धविराम का प्रस्ताव दिया था।

त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, डब्ल्यूएचओ बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

जिनेवा, एजेंसी। त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में देखने लगे हैं।

यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी मांग कम नहीं हो रही।पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तकडब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है।

उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है।केवल प्रतिबंध नहीं सोच बदलने पर जोरडब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं और वे लगातार उनका उपयोग क्यों जारी रखते हैं। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि जब तक इन मानसिक और सामाजिक कारणों को नहीं समझा जाएगा, तब तक मांग को कम करना मुश्किल रहेगा।

ईरान पर यूएस के दो सुर: ट्रंप-रुबियो के विरोधाभासी बयानों से ईरान युद्ध पर बढ़ी अनिश्चितता

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को लेकर अमेरिकी प्रशासन के भीतर ही अलग-अलग संकेत सामने आने लगे हैं। एक तरफ विदेश मंत्री मार्को रुबियो का कहना है कि अभियान अपने लक्ष्य हासिल करने के बाद समाप्त हो चुका है और अब वॉशिंगटन वार्ता के जरिए समाधान चाहता है। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान प्रस्तावित समझौते पर सहमत नहीं हुआ तो सैन्य हमले फिर शुरू हो सकते हैं और उनकी तीव्रता पहले से अधिक होगी। इसी बीच होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया अमेरिकी मिशन प्रोजेक्ट फ्रीडम भी फिलहाल रोक दिया गया है। इन घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि अब संघर्ष सैन्य मोर्चे से कूटनीतिक दबाव की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। अल जजीरा व अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिकी विदेश मंत्री

रुबियो ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का उद्देश्य पूरा हो चुका है और अमेरिका अब किसी नए सैन्य टकराव के बजाय समझौते का रास्ता तलाशना चाहता है। उन्होंने संकेत दिया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से ईरान और अमेरिका के बीच प्रत्यक्ष बातचीत आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। पिछले महीने इस्लामाबाद में हुई प्रारंभिक वार्ता किसी नतीजे पर नहीं पहुंची थी, पर दोनों देशों ने बाद में नए प्रस्ताव एक-दूसरे को भेजे हैं। रुबियो के अपेक्षाकृत नरम बयान के तुरंत बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, ऑपरेशन तभी पूरी तरह समाप्त माना जाएगा जब ईरान तय शर्तों को स्वीकार करेगा। अगर वार्ता विफल हुई तो अमेरिका दोबारा सैन्य कार्रवाई कर सकता है।होर्मुज जलमार्ग क्यों बना सबसे बड़ा संकटइस पूरे संघर्ष का सबसे संवेदनशील केंद्र होर्मुज जलमार्ग है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। ईरान ने युद्ध शुरू होने के बाद यहां जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। अमेरिका ने जवाब में प्रोजेक्ट फ्रीडम नाम का अभियान शुरू किया था ताकि फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित निकाला जा सके। ट्रंप ने अब इसे अस्थायी रूप से रोकने की घोषणा की हैं।

कुसमी में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का भव्य आयोजन

127 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे सामाजिक समरसता और जनभागीदारी का दिखा उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुसमी जनपद अंतर्गत अष्टभुजी देवी मंदिर गोतरा परिसर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सामूहिक विवाह समारोह के तहत भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में कुल 127 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ परिणय सूत्र में बंधे पूरे आयोजन में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक परंपरा और जनभागीदारी का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश मिश्रा तथा अध्यक्षता कुंवर सिंह टेकाम ने की जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, जनपद अध्यक्ष श्यामवती सिंह, जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह एवं जनपद उपाध्यक्ष भूपाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वैदिक रीति से संपन्न हुआ विवाह संस्कार: कार्यक्रम का शुभारंभ माँ अष्टभुजी एवं भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया आचार्यों द्वारा वैदिक विधि-विधान के साथ सभी नवविवाहित जोड़ों का विवाह संस्कार संपन्न कराया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. राजेश मिश्रा ने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संवेदनशील सहयोग का माध्यम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य के लिए लगातार कार्य कर रही है विवाह भारतीय संस्कृति का सबसे पवित्र संस्कार है जो दो परिवारों को जोड़ता है सांसद ने नवदंपत्तियों से आग्रह किया कि वे अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत प्रेम विश्वास समझ और जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने प्रत्येक जोड़े को 11 हजार रुपये की टिकौना राशि देने की घोषणा भी की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई है उन्होंने कहा कि पहले आर्थिक कठिनाइयों के कारण बेटियों के विवाह को लेकर चिंता रहती थी लेकिन अब सरकार स्वयं आगे आकर सहयोग कर रही है यह योजना सामाजिक समरसता और समानता का संदेश देती है विधायक ने नवविवाहित जोड़ों से अपील की कि वे अपने दांपत्य जीवन में सम्मान, सहयोग और पारिवारिक मूल्यों को अपनाएं। उन्होंने भी प्रत्येक जोड़े को 11 हजार रुपये की टिकौना राशि देने की घोषणा की। समारोह के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूर्ण होने पर सांसद एवं विधायक द्वारा सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा, एसडीएम कुसमी शैलेश द्विवेदी, जनपद सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा, बीआरसीसी अंगिरा द्विवेदी सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं नवविवाहित जोड़ों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सामूहिक विवाह समारोह ने एक बार फिर सामाजिक एकता, सहयोग और गरीब परिवारों के लिए सरकारी समर्थन का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया।

रेडक्रॉस स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत जल एवं पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रेडक्रॉस सोसायटी स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 06 मई को जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य ओ.पी. नामदेव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ इसका उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना था। ार्यक्रम में प्राची सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जल ही जीवन है केवल एक नारा नहीं बल्कि मानव अस्तित्व का आधार है उन्होंने कहा कि मनुष्य भौतिक संसाधनों के बिना जीवन यापन कर सकता है लेकिन जल, वायु और प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है उन्होंने वर्तमान समय में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यदि अभी से जागरूकता नहीं दिखाई गई तो भविष्य में गंभीर प्राकृतिक असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।

प्राचार्य ओ.पी. नामदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस प्रकार एक व्यक्ति अपने बच्चों के भविष्य के लिए धन-संपत्ति संचित करता है उसी प्रकार आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी है।

किसानों की उपज न खरीदे जाने और एमएसपी की गारंटी न मिलने पर संयुक्त किसान मोर्चा का आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रदेशभर में किसानों की उपज की खरीदी नहीं होने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम कीमत पर फसल बेचने की मजबूरी को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है भोपाल में आयोजित मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए सरकार की नीतियों को किसान विरोधी बताया गया। वरिष्ठ किसान नेता प्रहलाद वैरागी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह सवाल प्रमुखता से उठाया गया कि किसानों के पंजीकरण के दौरान बार-बार सर्वर डाउन होने की समस्या क्यों सामने आ रही है किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि यह स्थिति खरीदी प्रक्रिया को प्रभावित करने और किसानों को परेशान करने वाली है। बैठक में किसानों की सहमति और विश्वास के बिना किए जा रहे भूमि अधिग्रहण के मामलों पर भी गंभीर चिंता जताई गई किसान संगठनों ने कहा कि समुचित मुआवजा और बेहतर पुनर्वास के बिना भूमि अधिग्रहण करना अन्यायपूर्ण है इसके साथ ही स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया, खाद की कमी और डीजल संकट की आशंकाओं पर भी चर्चा हुई संयुक्त किसान मोर्चा ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारों का रवैया लगातार किसान विरोधी होता जा रहा है बैठक में कहा गया कि किसानों की कर्ज माफी अब तक नहीं हुई है और खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है किसान नेताओं ने यह भी कहा कि मूंग की फसल की समर्थन मूल्य पर खरीदी को लेकर सरकार की ओर से कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया गया है साथ ही ई-उपार्जन के माध्यम से खरीदे गए गेहूं का भुगतान समय पर सुनिश्चित करने की भी कोई गारंटी नहीं दी जा रही है किसान संगठनों का कहना है कि वर्तमान नीतियां खेती की लागत बढ़ाने और किसानों को आर्थिक संकट में डालने वाली साबित हो रही हैं। बैठक में खेती, किसानी और भूमि संबंधी विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदेशव्यापी अभियान चलाने तथा राजधानी भोपाल में अनिश्चितकालीन आंदोलन की तैयारी करने का निर्णय लिया गया आंदोलन की शुरुआत मई माह में प्रदेश के विभिन्न संभागों में किसान सम्मेलनों के आयोजन से होगी। इसके बाद आगामी 7 जून 2026 को भोपाल में राज्य स्तरीय किसान कन्वेंशन आयोजित किया जाएगा।

विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर एनएसयूआई ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

संबल कार्ड कोड जनरेट नहीं होने और छात्रवृत्ति राशि लंबित होने पर जताई नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में छात्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में बीबीए एवं बीसीए पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के संबल कार्ड कोड जनरेट नहीं होने तथा छात्रवृत्ति राशि नहीं मिलने की समस्या प्रमुख रूप से उठाई गई। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि संबल कार्ड का कोड जनरेट न होने के कारण विद्यार्थियों को एकमुश्त ?25 हजार से अधिक की फीस जमा करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि अधिकांश छात्र मध्यमवर्गीय एवं किसान परिवारों से आते हैं ऐसे में इतनी बड़ी राशि एक साथ जमा करना उनके लिए अत्यंत कठिन हो रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विद्यार्थियों से पूर्ण शुल्क जमा करवाकर यह आश्वासन दिया जाता है कि सत्र समाप्ति के बाद छात्रवृत्ति की राशि वापस कर दी जाएगी लेकिन पिछले कई वर्षों से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि इससे विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कई छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में पंकज उपाध्याय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तीन दिनों के भीतर विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो [एनएसयूआई] छात्रहित में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

वन विभाग में मीडिया समन्वय हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वन मंडल अधिकारी प्रीति अहिरवार द्वारा जारी आदेशानुसार नमंडलाधिकारी, उपवनमंडल मझौली को मीडिया से जानकारी साझा करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त एवं अधिकृत किया गया है अब वन विभाग से संबंधित सभी विभागीय सूचनाएं एवं जानकारियां केवल अधिकृत नोडल अधिकारी द्वारा ही मीडिया को उपलब्ध कराई जाएंगी। उल्लेखनीय है कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख मध्यप्रदेश के निर्देशों के परिपालन में प्रत्येक वनमंडल, टाइगर रिजर्व एवं समकक्ष कार्यालयों में मीडिया समन्वय हेतु राजपत्रित स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश जारी किए गए थे।

उद्यमी मॉडल अंतर्गत केज कल्चर में मछलीपालन हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के अंतर्गत सीधी जिले के बरचर एवं गुलाब सागर जलाशयों के समुचित उपयोग हेतु उद्यमी मॉडल के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य केज कल्चर आधारित मछलीपालन को बढ़ावा देना ईको टूरिज्म एवं ग्रीन एनर्जी जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना तथा मत्स्योत्पादन में वृद्धि कर मत्स्य क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देना है इच्छुक निवेशक, उद्यमी, मछुआ सहकारी समितियां, मछुआ समूह, स्व-सहायता समूह, फर्म एवं कंपनियां 20 मई 2026 तक कार्यालयीन समय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

आवेदन के साथ विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। गुलाब सागर जलाशय हेतु आवेदन मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ के क्षेत्रीय कार्यालय, देवलोंद जिला शहडोल में जमा किए जाएंगे बरचर जलाशय हेतु आवेदन संबंधित जिला मत्स्य विभाग कार्यालय में जमा होंगे मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के तहत यह पहल न केवल मत्स्य उत्पादन बढ़ाने में सहायक होगी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास और आर्थिक मजबूती की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। इच्छुक आवेदक सहायक संचालक मत्स्योद्योग कार्यालय, वीथिका परिसर, कलेक्ट्रेट के सामने, सीधी में संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सीधी जिले में शुरू हुए AI आधारित ई-चेक गेट डिजिटल निगरानी से होगा सख्त नियंत्रण

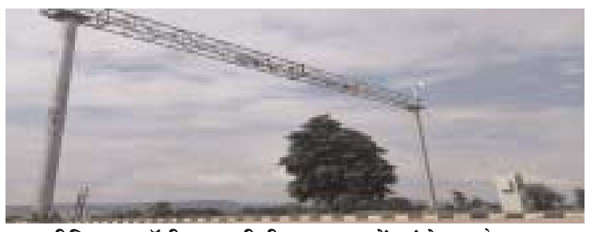

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा 40 ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं इसी क्रम में सीधी जिले के तहसील रामपुर नैकिन अंतर्गत बघवार क्षेत्र एवं तहसील चुरहट अंतर्गत ग्राम कोष्टा कोठार में 2 ई-चेक गेट का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है।

पूरी तरह डिजिटल और मानव रहित प्रणाली: जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला ने बताया कि म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 में संशोधन के बाद यह व्यवस्था लागू की गई है। यह प्रणाली पूरी तरह मानव रहित डिजिटल तकनीक पर आधारित है जिससे खनिज परिवहन वाहनों की सतत निगरानी संभव होगी। उन्होंने बताया कि खनिज परिवहन में लगे सभी वाहनों में आरएफआईडी (RFID) टैग लगाना अनिवार्य किया गया है जिसे वाहन के फ्रंट विंडशील्ड पर लगाया जाएगा। ई-चेक गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी स्वतः सिस्टम में दर्ज हो जाएगी।

AI तकनीक से होगी सटीक निगरानी: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ई-चेक गेट सिस्टम में वेरिफिकेशन कैमरा, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर (ANPR) और RFID रीडर जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं यह प्रणाली वाहन नंबर, ई-ट्रांजिट पास खनिज की मात्रा और वजन की सटीक जानकारी दर्ज करेगी यदि ई-ट्रांजिट पास और वास्तविक परिवहन में अंतर पाया जाता है तो संबंधित वाहन मालिकों पर ऑनलाइन कार्रवाई की जाएगी नियमों के उल्लंघन पर वाहन पंजीयन निलंबन एवं जब्ती की कार्रवाई भी की जा सकती है।

अनियमितताओं पर होगी सख्त कार्रवाई: कोष्टा कोठार स्थित AI आधारित चेक गेट से खनिज रेत का बिना वैध ईटीपी परिवहन एवं एक ही ईटीपी से एक से अधिक बार परिवहन किए जाने पर 5 वाहनों के स्वामियों को 7 दिवसीय मांग पत्र जारी किए गए हैं।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ आम आदमी पार्टी का हल्ला बोल

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन, मूल्य वृद्धि वापस न लेने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कार्यकर्ताओं ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में लगभग ?999 की वृद्धि के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इस मूल्य वृद्धि को आर्थिक आतंकवाद बताते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया तथा जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र चौरसिया ने कहा कि एक ही बार में ?999 की बढ़ोतरी करना छोटे व्यापारियों और आम लोगों की आर्थिक स्थिति पर सीधा प्रहार है उन्होंने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा होने से होटल, ढाबों और खान-पान से जुड़े व्यवसायों की लागत बढ़ेगी जिसका असर अंततः आम नागरिकों पर पड़ेगा। उन्होंने सरकार से तत्काल इस निर्णय को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि पहले से ही महंगाई से परेशान जनता पर अतिरिक्त बोझ डालना अन्यायपूर्ण है

खाली सिलेंडर लेकर किया प्रदर्शन: प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने खाली सिलेंडर सिर पर रखकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की कार्यकर्ताओं का कहना था कि सरकार की नीतियों के कारण छोटे व्यापारियों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है और मध्यम वर्ग के लिए दैनिक जीवन का खर्च चलाना कठिन होता जा रहा है। कमर्शियल सिलेंडर पर बढ़ाई गई राशि को तत्काल वापस लेने ईंधन एवं रसोई गैस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी नीति बनाने तथा बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग उठाई।

जनता को चुनाव के बाद महंगाई की मार: प्रदेश सचिव एवं पूर्व महापौर प्रत्याशी इंजीनियर दीपक सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार चुनावी राजनीति में व्यस्त है और चुनाव खत्म होते ही जनता पर महंगाई का बोझ डाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कभी गैस सिलेंडर तो कभी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि कर आम लोगों को लगातार परेशान किया

सीधी से दिल्ली तक पहुँचा कटहल : महिलाओं ने रचा आत्मनिर्भरता का नया इतिहास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है स्थानीय उत्पादक समूहों के प्रयासों से पहली बार जिले का कटहल देश की सबसे बड़ी फल एवं सब्जी मंडी आजादपुर मंडी तक पहुँचाया गया। यह उपलब्धि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग द्वारा संचालित भू-दृश्य पुनर्स्थापन एवं मूल्य श्रृंखला बाजार विकास परियोजना के माध्यम से संभव हो सकी है।

महिलाओं ने दिखाया आत्मनिर्भरता का नया मार्ग: अनन्या, महिमा, रूपा और कृष्णा उत्पादक समूह की महिलाओं के लिए यह अवसर गर्व और उत्साह से भरा रहा। समूह की सदस्य बाबी बैगा ने बताया कि परियोजना के सहयोग से उनके क्षेत्र का कटहल पहली बार राष्ट्रीय स्तर के बड़े बाजार तक पहुँचा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीण महिलाओं को नए बाजार मिलेंगे और स्थानीय उत्पादों को व्यापक पहचान प्राप्त होगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा: इस पहल से न केवल किसानों और महिला समूहों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे बल्कि उनकी आय में वृद्धि और आर्थिक स्थिति में मजबूती भी आएगी। सफलता से उत्साहित समूह की महिलाएं अब नियमित रूप से कटहल की आपूर्ति के लिए तैयार हैं। पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि जिले में कटहल उत्पादन एवं विपणन के नए आयाम विकसित किए जा रहे है जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी वहीं हिमांशु भारद्वाज ने कटहल के लिए स्थायी और व्यापक बाजार विकसित करने पर जोर दिया।ग्रामीण महिलाओं की यह पहल स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कार्यक्रम में राजीव जायसवाल राजबहोर दिवान, अनिता गुप्ता, सावित्री सिंह सहित उत्पादक समूहों की सदस्य मंजू सिंह, कलावती सिंह एवं प्रिंशु सिंह उपस्थित रहे।

फसल सुरक्षा, पशुपालन एवं मौसम आधारित कृषि कार्यों पर वैज्ञानिक सुझाव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषि विज्ञान केंद्र सीधी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह गौतम ने जिले के कृषकों को मौसम को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कृषि एवं पशुपालन संबंधी सलाह जारी की है। डॉ. गौतम ने कृषकों से अपील की है कि पकी हुई फसलों की समय पर कटाई कर उन्हें सुरक्षित एवं ढके हुए स्थान पर संग्रहित करें, ताकि ओलावृष्टि एवं बारिश से होने वाले नुकसान से बचा जा सके सब्जियों एवं छोटे पौधों को तेज हवाओं से बचाने के लिए सहारा (स्टेकिंग) देने तथा खेतों में उचित जल निकास की व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी गई है जिससे जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो उन्होंने कहा कि गरज-चमक एवं तेज हवाओं के दौरान सिंचाई तथा कीटनाशक एवं उर्वरकों का छिड़काव नहीं करना चाहिए। मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए किसानों को कृषि कार्य सावधानीपूर्वक करने की सलाह दी गई है। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि पशुओं के लिए छाया एवं स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा मौसम से क्षतिग्रस्त कृषि संरचनाओं एवं बाड़ की तत्काल मरम्मत करें साथ ही पशुओं को सूखा एवं हरा चारा मिलाकर संतुलित आहार देने तथा हरे चारे को फूल आने से पहले काटने की सलाह दी गई है जिससे अधिक पोषण प्राप्त हो सके डॉ. गौतम ने बताया कि वर्तमान मौसम कद्दूवर्गीय फसलों की बुवाई के लिए अनुकूल है। वहीं भिंडी की फसल में पीत सिरा रोग से प्रभावित पौधों को नष्ट करने तथा इमिडाक्लोरोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी गई है कृषि विज्ञान केंद्र सीधी ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम आधारित कृषि सलाह का पालन कर फसल एवं पशुधन दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

चेतावनी के धमाके : आतंक की घटनाओं पर राजनीति अस्वीकार्य

संपादकीय

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड?यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड?यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। टकराव की राजनीति से राज्य का अहित ही होगा।

कहो तो कह दूं- ऐसा न हो कि कुलियों से गुजरने में भी फास्टैगलगने लगे

चैतन्य भट्ट

इस समय सारी दुनिया में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला शब्द है : होर्मुज तेल भंडारों के दम पर दौलत के बादशाह बने खाड़ी देशों को अरब सागर और फिर हिंद महासागर से जोड़ने वाला एक संकरा समुद्री मार्ग जिससे दुनिया की तीस प्रतिशत से ज्यादा पेट्रोलियम व्यवसाय और अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित होती हैं।

अंग्रेजी में स्ट्रेट कहे जाने वाले इस संकरे समुद्री मार्ग का हिंदी नाम कठिन सा है जलडमरूमध्य जितनी जीभ तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण नहीं ऐंठती उतनी तो इसके उच्चारण में ऐंठ जाती है। गली मोहल्लों की भाषा में इसके लिए एक बेहद सस्ता सुंदर और टिकाऊ शब्द है कुलिया कुलीन अंग्रेजीदानों और कालोनी वासियों को शायद ये शब्द अशोभनीय लगे मगर जो गली मोहल्लों में रहे हैं वे कुलिया का क्या माहात्म्य होता है जानते है। कैसे यह संकरा सा जमीन का टुकड़ा कई सौ मीटर की दूरी को चंद मीटर में बदल देता है।

होर्मूज नामी इस समुद्री कुलिया बनाम जलडमरूमध्य ने इन दिनों पूरी दुनिया की डमरू बजा रखी है। परमाणु निरस्त्रीकरण के नाम पर ईरान के खिलाफ जंग छेड़ने वाले वैश्विक थानेदार अमेरिका का एकमात्र उद्देश्य अब इस संकरे रास्ते को खोलने तक सिमट कर रह गया है और ईरान है कि मानता नहीं टोल टैक्स लगाकर पैसा कमाने का नया रास्ता जो मिल गया है और इन दोनों के झगड़ों के चलते हाथियों की लड़ाई में घास की तर्ज़ पर सारी दुनिया पिस रही है। अमेरिका लाबी को शायद अच्छा न लगे मगर ईरान ने युद्ध को लंबा खींचकर अपने आपको छोटा-मोटा हाथी तो साबित कर ही दिया है। इस समस्या ने एक नए रास्ते भी खोल दिए है। समुद्री जलमार्ग होर्मुज जैसी कुलियों से भरे पड़े हैं। मलक्का, जिब्राल्टर, बेरिंग, बाब अल मंडेब, डोवर , सुंडा ऐसी ही अन्य समुद्री कुलियाएं हैं जिनसे गुजरकर जहाज करोड़ों का ईंधन और समय बचाते हैं। अब ईरान की तर्ज पर अन्य देश भी अपने आस-पास की कुलियाओं से माल बटोरने के चक्कर में लग गए हैं अपन को तो डर इस बात का है कि कहीं टोल कमाने के लिए कुलियों पर कब्जे की यह बीमारी शहर के मोहल्लों के स्तर तक न फैल जाए वरना वह दिन दूर नहीं जब शार्टकट यानी कुलियों के रास्ते एक मोहल्ले से दूसरे मोहल्ले में जाने के लिए भी फास्टैग जरूरी हो जाएगा।

हंसे तो हंसे कैसे-लो भैया घूमफिर कर फिर विश्व हास्य दिवस आ गया अखबारों में इस दिवस पर डाक्टरों के बड़े-बड़े आर्टिकल छपे जिनमें ये बताया गया कि जीवन में हंसना कितना जरूरी है यदि इंसान हंसता रहेगा तो न केवल स्वस्थ रहेगा, बल्कि उसका मोटापा दूर होगा ,शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और एक शानदार जीवन जिएगा । हंसने से कई हार्मोन विकसित होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बेहद जरूरी होते हैं अब इन चिकित्सकों ने तो बता दिया कि हंसना बहुत जरूरी है लेकिन आज की तारीख में लोग हंसे तो हंस कैसे ? हंसते हुए बाजार जाते हैं और जब चीजों के दाम देखते हैं तो सारी हंसी रफू चक्कर हो जाती है आंखों से आंसुओं की धार लग जाती है पेट्रोल पंप जाते हैं तो खबर मिलती है कि बस दाम बढ़ने ही वाले हैं ,गैस का संकट हंसी पर भारी पड़ रहा है उधर अमेरिका और ईरान एक दूसरे की लाई लूटे पड़े हैं और इधर पूरी दुनिया की हंसी आंसू में तब्दील होती जा रही है। चुनाव लड़ते वक्त नेता जो वादे करते हैं उससे हर वोटर का चेहरा हंसी से प्रफुल्लित हो जाता है लेकिन जैसे ही नेताजी चुनाव जीतते हैं वोटरों की हंसी न जाने कहां गायब हो जाती है । घर से हंसते हुए निकलते निकलकर व्यक्ति अपने ऑफिस दुकान तक पहुंचने की खुशी महसूस करता है लेकिन तपती धूप में जब उसे एक-एक घंटे जाम में फंसा रहना पड़ता है तो उसकी सारी हंसी गायब हो जाती है।चारों तरफ मारा मारी मची हुई है ऐसे में इंसान हंसे तो हंस कैसे ? शायद यही कारण है कि हर शहर में लाफ्टर क्लब खुल गए हैं जहां 10-20 लोग इकट्ठे होकर नकली हंसी-हंसते हैं वे सोचते हैं कि शायद इस हंसी से उनका स्वास्थ्य ठीक हो जाएगा लेकिन उनको नहीं मालूम कि नकली माल तो नकली ही होता है असली हंसी तो भीतर से निकलती है जो अब नामुमकिन सी हो गई है।

पीड़ा के अंधेरों में उम्मीद का दीप जलाता रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट आंदोलन

हर साल 8 मई को मानवता, सेवा, करुणा और निःस्वार्थ सहायता के भाव को समर्पित विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि संकट, युद्ध, आपदा या महामारी जैसी परिस्थितियों में निस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। रेड क्रॉस का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना और मानव जीवन की रक्षा करना है। यह दिवस समाज में मानवता, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।पाठकों को बताता चलूं कि मानव सेवा और राहत कार्यों के लिए प्रसिद्ध संगठन इंटरनेशनल रेड क्रॉस एवं रेड क्रेसेन्ट मूवमेंट के संस्थापक जीन हेनरी डुनेंट, जिन्हें रेड क्रॉस आंदोलन का जनक भी माना जाता है, की जयंती पर यह दिवस मनाया जाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि हेनरी ड्यूनेन्ट को उनके अभूतपूर्व मानवीय कार्य के लिए 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

सुनील कुमार महला

बहुत कम लोग जानते हैं कि रेड क्रॉस इतिहास का इकलौता ऐसा संगठन है जिसे एक या दो बार नहीं, बल्कि तीन बार नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। मसलन, 1917 में (प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मानवीय कार्यों के लिए),1944 में (द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए) तथा 1963 में (संगठन की 100वीं वर्षगांठ पर) में इसे पुरस्कार दिया जा चुका है। इसके अलावा, इसके संस्थापक हेनरी ड्यूनेन्ट को मिला पहला नोबेल पुरस्कार (1901) जोड़ लिया जाए, तो इस आंदोलन के खाते में कुल 4 नोबेल पुरस्कार आते हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य युद्ध, आपदा और संकट के समय मानवता की सेवा करने वालों का सम्मान करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरी दुनिया में आपदा, युद्ध, किसी महामारी और संकट के समय लोगों की सहायता करने वाले लाखों स्वयंसेवकों और कर्मचारियों को सम्मान देने के क्रम में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भी दुनिया में बहुत से लोग आपदाओं, युद्ध, तनाव आदि से पीड़ित हैं और यह दिवस ऐसे लोगों की सहायता,मदद के लिए आम लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करता है। यह लोगों को रक्तदान करने, महामारी या युद्ध से पीड़ित लोगों का प्राथमिक उपचार करने और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करने, उन्हें समय पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने को समर्पित है। यह वोलंटियर्स के योगदान का सम्मान करता है तथा उन्हें मान्यता देता है।मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता,स्वैच्छिक सेवा,एकता तथा सार्वभौमिकता इस दिवस के मूल व अहम् सिद्धांत हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि यह दिवस मानवता की रक्षा को समर्पित है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर नजर डालें तो, वर्ष 1859 में इटली के सोलफेरिनो की लड़ाई के दौरान हजारों घायल सैनिकों को तड़पते देखकर हेनरी ड्यूनांट अत्यंत व्यथित हुए। दरअसल, 1859 में, स्विट्जरलैंड के एक युवा व्यवसायी जीन हेनरी ड्यूनेन्ट अपने व्यापार के सिलसिले में नेपोलियन तृतीय से मिलने जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने इटली में सोलफेरिनो का युद्ध देखा। उन्होंने यह देखा कि युद्ध क्षेत्र में लगभग 40,000 सैनिक मृत या तड़पते हुए पड़े थे और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। इस भयावह मंजर ने ड्यूनेन्ट को झकझोर दिया और उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों को इकट्ठा किया और बिना यह देखे कि घायल सैनिक किस देश का है, नारा दिया-हम सब भाई हैं।वास्तव में ,इसी घटना ने आगे चलकर रेड क्रॉस की नींव रखी। वास्तव में, ड्यूनेंट ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों की सेवा की और बाद में सोलफेरिनो की एक स्मृति(ए मेमोरी आफ सोलफेरिनो) नामक पुस्तक लिखी। इसी विचार से साल 1863 में रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति की स्थापना हुई तथा आगे चलकर जिनेवा सम्मेलन अस्तित्व में आए। बाद में, वर्ष 1948 में आधिकारिक रूप से 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस घोषित किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो

आधिकारिक तौर पर पहला अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस 8 मई 1948 को मनाया गया। बाद में, 1984 में इसका नाम बदलकर विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट दिवस कर दिया गया।

बहुत कम लोग जानते होंगे कि रेड क्रॉस आंदोलन दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय नेटवर्क माना जाता है, जिसमें दुनिया के करोड़ों स्वयंसेवक जुड़े हैं।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार लगभग 1.6 करोड़ (16 मिलियन) सक्रिय स्वयंसेवक और कर्मचारी इसमें शामिल हैं। पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय युद्ध कानून (जिनेवा संधि), जो यह तय करता है कि युद्ध के दौरान भी मानवता बची रहे, उसे लागू कराने और उसकी निगरानी करने की मुख्य जिम्मेदारी रेड क्रॉस की ही है।इसके नियमों के तहत, युद्ध के दौरान भी रेड क्रॉस के कार्यकर्ताओं को युद्धबंदियों से सीधे मिलने और उनकी स्थिति का जायजा लेने का कानूनी अधिकार प्राप्त है।

रेड क्रॉस का प्रतीक चिह्न जिनेवा सम्मेलनों के तहत संरक्षित है और इसका दुरुपयोग अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन माना जा सकता है। रेड क्रॉस के लाल रंग के प्लस (+) चिह्न से परिचित हैं, लेकिन इसके तीन आधिकारिक प्रतीक हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। दरअसल,रेड क्रॉस सफेद पृष्ठभूमि पर लाल क्रॉस है। पाठकों को बताता चलूं कि यह स्विट्जरलैंड के झंडे के रंगों को उलट कर संस्थापक हेनरी ड्यूनेन्ट के देश के सम्मान में बनाया गया था। वहीं पर रेड क्रिसेंट मतलब लाल अर्धचंद्र।यह ऑटोमन साम्राज्य के दौरान मुस्लिम देशों में संवेदनशीलता को देखते हुए अपनाया गया था तथा रेड क्रिस्टल तीसरा तटस्थ प्रतीक है, जिसे बिना किसी धार्मिक या सांस्कृतिक जुड़ाव के मानवीय कार्यों की सुरक्षा के लिए अपनाया गया। उल्लेखनीय है कि कई मुस्लिम देशों में रेड क्रॉस की जगह रेड क्रिसेंट प्रतीक का उपयोग किया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल रेड क्रॉस एवं रेड क्रेसेन्ट मोवमेंट के अंतर्गत रेड क्रिसेंट एक मानवीय प्रतीक और सहायता संगठन है, जिसका उपयोग मुख्यतः मुस्लिम देशों में किया जाता है। यह कार्य और उद्देश्य में रेड क्रॉस के समान ही है, केवल इसका प्रतीक अलग होता है। यह भी उल्लेखनीय है कि रेड क्रिसेंट का प्रतीक सफेद पृष्ठभूमि पर लाल अर्धचंद्र (चाँद) होता है। इसका उपयोग युद्ध, प्राकृतिक आपदा, महामारी और संकट के समय चिकित्सा व राहत सेवाएँ प्रदान करने के लिए किया जाता है। दरअसल, जैसा कि ऊपर भी बता चुका हूं कि 1876 में रूस-तुर्की युद्ध के दौरान ओटोमन साम्राज्य (वर्तमान तुर्की) ने रेड क्रॉस चिह्न के स्थान पर रेड क्रिसेंट का प्रयोग शुरू किया था। बाद में इसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि रेड क्रिसेंट और रेड क्रॉस दोनों समान सिद्धांतों पर कार्य करते हैं तथा दोनों का उद्देश्य केवल मानव सेवा है, किसी धर्म या राजनीति से इनका संबंध नहीं होता।आज दुनिया के कई इस्लामिक देशों में रेड क्रिसेंट सोसायटी सक्रिय हैं तथा इसका संचालन मानवता, निष्पक्षता और तटस्थता जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। यहां यह भी गौरतलब है कि इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की स्थापना 1920 में हुई थी,जो युद्ध क्षेत्रों, भूकंप, बाढ़, महामारी और शरणार्थी संकटों में सबसे पहले राहत पहुँचाने वाले संगठनों में शामिल रहता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस की थीम/विषय के बारे में बात करें तो पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम-मानवता को जीवित रखना(कीपिंग ह्यूमेनिटी अलाइव) रखी गई थी तथा कई देशों में अभियान संदेश मानवता के पक्ष में(आन द साइड आफ ह्यूमेनिटी) के रूप में भी चलाया गया था। वास्तव में, इसका उद्देश्य बढ़ते संघर्षों, स्वास्थ्य संकटों और असमानताओं के बीच मानवता को जीवित रखना था। वहीं इस वर्ष की थीम या विषय की बात करें तो यह यूनाइटेड इन ह्यूमेनिटी अर्थात मानवता में एकजुट रखी गई है। यह थीम संकट के समय समुदायों के साथ खड़े रहने वाले स्वयंसेवकों और कर्मचारियों की एकता और सेवा भावना को दर्शाती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम उन लाखों स्वयंसेवकों और कर्मचारियों के जज्बे को सलाम करती है जो संकट के समय समुदायों के बीच बाहरी बनकर नहीं, बल्कि उन्हीं का एक हिस्सा बनकर खड़े रहते हैं। यह कठिन समय में बिना किसी भेदभाव के आपसी जुड़ाव, करुणा और मानवीय गरिमा को बनाए रखने पर जोर देती है। अंत में, यही कहूंगा कि कठिन से कठिन समय में भी हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारी आपसी करुणा, सहानुभूति और निस्वार्थ सेवा भाव ही है यानी कि हम हर हाल और परिस्थितियों में मानवता की रक्षा, सुरक्षा करें,यही हमारा दायित्व और कर्तव्य है।विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट दिवस केवल एक दिवस मात्र ही नहीं, है बल्कि यह दुनिया के सबसे बड़े मानवीय नेटवर्क के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का शानदार पर्व है। युद्ध, आपदा या महामारी-जब दुनिया सबसे बुरे दौर से गुजर रही होती है, तब बिना किसी राजनीतिक या धार्मिक भेदभाव के इस संगठन के स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं।

चुनावी भूचाल 2026: बदला नैरेटिव बदली राजनीति और उभरे नए सत्ता समीकरण

भारत के हालिया विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र केवल आंकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह भावनाओं रणनीतियों नेतृत्व और सामाजिक समीकरणों का जटिल मिश्रण है। इस बार के नतीजों ने कई स्थापित धारणाओं को तोड़ा और नए राजनीतिक ट्रेंड्स को जन्म दिया। अलग अलग राज्यों में अलग अलग वजहों से सत्ता परिवर्तन हुआ लेकिन अगर गहराई से देखा जाए तो कुछ साझा फैक्टर ऐसे रहे जिन्होंने इन नतीजों को आकार दिया।

कांतिलाल मांडोत

सबसे बड़ा बदलाव नैरेटिव के स्तर पर देखने को मिला। चुनाव अब केवल विकास या स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रहे बल्कि पहचान संस्कृति और भावनात्मक अपील का प्रभाव बहुत गहरा हो गया। पश्चिम बंगाल में लंबे समय से सत्ता में रही सरकार के खिलाफ माहौल बना लेकिन यह केवल एंटी इनकम्बेंसी का मामला नहीं था। यहां एक ऐसा नैरेटिव तैयार किया गया जिसमें सांस्कृतिक पहचान को राजनीतिक हथियार बना दिया गया। माछ भात और मां काली जैसे प्रतीकों के जरिए यह संदेश दिया गया कि स्थानीय परंपराओं का सम्मान केवल एक खास राजनीतिक विचारधारा ही कर सकती है। इसने मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को प्रभावित किया।

ध्रुवीकरण इस चुनाव का एक और बड़ा फैक्टर रहा। यह केवल धार्मिक आधार पर नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान के स्तर पर भी हुआ। असम में इसका एक अलग रूप देखने को मिला जहां वोटों का बंटवारा निर्णायक साबित हुआ। विपक्षी दलों के बीच तालमेल की कमी और समुदायों के भीतर विभाजन ने सत्तारूढ़ दल को फायदा पहुंचाया। यह रणनीति नई नहीं थी लेकिन इस बार इसे अधिक व्यवस्थित तरीके से लागू किया गया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि चुनाव जीतने के लिए केवल अपने वोटबैंक को मजबूत करना ही नहीं बल्कि विरोधी वोटों को विभाजित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

दूसरा बड़ा फैक्टर प्रशासनिक और संरचनात्मक बदलाव रहे। मतदाता सूचियों में संशोधन और परिसीमन जैसी प्रक्रियाओं का असर सीधे चुनावी परिणामों पर पड़ा। पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटने का मुद्दा चर्चा में रहा। वहीं असम में परिसीमन के बाद सीटों का स्वरूप बदल गया जिससे कई क्षेत्रों का राजनीतिक संतुलन प्रभावित हुआ। यह बदलाव तकनीकी लग सकते हैं लेकिन इनका असर जमीनी स्तर पर बहुत गहरा होता है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि चुनाव केवल प्रचार और रैलियों से नहीं जीते जाते बल्कि सिस्टम के भीतर होने वाले बदलाव भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

नेतृत्व का प्रभाव इस बार पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट दिखा। असम में मजबूत और आक्रामक नेतृत्व ने सरकार के खिलाफ संभावित नाराजगी को दबा दिया। वहीं केरल में लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद नेतृत्व पर सवाल उठने लगे। भ्रष्टाचार के आरोप और थकान का असर साफ दिखा। यह अंतर बताता है कि केवल सत्ता में बने रहना काफी नहीं होता बल्कि जनता के बीच लगातार भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है। जहां यह भरोसा टूटा वहां सत्ता भी हाथ से निकल गई।

तमिलनाडु में जो हुआ वह भारतीय राजनीति के लिए एक दिलचस्प मोड़ है। यहां एक फिल्मी सितारे ने अपनी लोकप्रियता को राजनीतिक ताकत में बदल दिया। यह कोई नई बात नहीं है लेकिन जिस तेजी और पैमाने पर यह बदलाव हुआ उसने सबको चौंका दिया। इसका मतलब यह है कि आज का मतदाता पारंपरिक दलों से हटकर नए विकल्पों को मौका देने के लिए तैयार है। खासकर युवा और पहली बार वोट देने वाले मतदाता ऐसे चेहरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं जो उन्हें नया और अलग लगता है। यह बदलाव आने वाले समय में अन्य राज्यों में भी देखने को मिल सकता है।

महिलाओं की भूमिका इस चुनाव में निर्णायक रही। पहले उन्हें केवल एक सहायक वोटबैंक माना जाता था लेकिन अब वे खुद एक संगठित और प्रभावशाली वर्ग बन चुकी हैं। अलग अलग राज्यों में महिलाओं को लक्षित करके योजनाएं और वादे किए गए। कहीं नकद सहायता का वादा किया गया तो कहीं सामाजिक सुरक्षा और रोजगार की बात हुई। इसका असर यह हुआ कि महिलाओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया और कई सीटों पर परिणाम को प्रभावित किया। यह ट्रेंड भविष्य की राजनीति को भी दिशा देगा क्योंकि अब कोई भी दल इस वर्ग को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि सत्ताधारी दलों के पारंपरिक गढ़ भी इस बार सुरक्षित नहीं रहे। पश्चिम बंगाल में जिन सीटों पर एक ही पार्टी का लंबे समय से कब्जा था वहां भी बदलाव देखने को मिला। इसका मतलब यह है कि मतदाता अब केवल परंपरा के आधार पर वोट नहीं दे रहा बल्कि वह विकल्प तलाश रहा है। इसी तरह तमिलनाडु में भी पारंपरिक दो दलों के बीच की राजनीति को एक नए खिलाड़ी ने चुनौती दी। यह बदलाव भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि सत्ता स्थायी नहीं होती और जनता समय समय पर नए विकल्प तलाशती रहती है।

इन सभी फैक्टर्स को मिलाकर देखा जाए तो यह चुनाव केवल सरकार बदलने का मामला नहीं है बल्कि यह राजनीति के बदलते स्वरूप का संकेत है। अब चुनाव अधिक जटिल हो गए हैं जहां भावनाएं रणनीति नेतृत्व और सामाजिक समीकरण सभी एक साथ काम करते हैं। यह भी स्पष्ट है कि कोई एक फार्मूला सभी राज्यों में काम नहीं करता। हर राज्य की अपनी सामाजिक संरचना और राजनीतिक संस्कृति होती है और उसी के अनुसार रणनीति बनानी पड़ती है।

आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि राजनीतिक दल इन ट्रेंड्स से क्या सीखते हैं। क्या वे केवल ध्रुवीकरण और नैरेटिव पर ध्यान देंगे या फिर विकास और शासन के मुद्दों को भी उतनी ही प्राथमिकता देंगे। मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक है और वह केवल वादों से संतुष्ट नहीं होता। उसे परिणाम चाहिए और अगर उसे लगता है कि कोई और विकल्प बेहतर है तो वह बदलाव करने में संकोच नहीं करता।

इस चुनाव ने एक और बात साफ कर दी है कि भारतीय लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। नए खिलाड़ी सामने आ रहे हैं और पुराने दलों को खुद को लगातार अपडेट करना पड़ रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी है क्योंकि इससे जवाबदेही बढ़ती है और जनता को बेहतर विकल्प मिलते हैं। अंत में कहा जा सकता है कि 2026 के चुनाव केवल राजनीतिक घटनाएं नहीं हैं बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक बदलाव का संकेत हैं। यहां से जो ट्रेंड्स उभरे हैं वे आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति को नई दिशा देंगे। जो दल इन संकेतों को समझेंगे और समय के अनुसार खुद को ढालेंगे वही भविष्य में सफल होंगे।

मनेंद्रगढ़ के दूरस्थ गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल

हर गुरुवार लग रहा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, ग्रामीणों को घर के पास मिल रही उपचार सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ विकासखंड के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। अब ऐसे गांव जो अपने निकटतम उप स्वास्थ्य केंद्र से 5 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर हैं वहां प्रत्येक गुरुवार को नियमित रूप से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इस पहल का उद्देश्य उन ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है जिन्हें दूरी परिवहन की कमी या आर्थिक कारणों से समय पर प्राथमिक उपचार नहीं मिल पाता विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

गांव-गांव पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं: स्वास्थ्य विभाग की टीम सीधे गांवों में जाकर सामान्य एवं मौसमी बीमारियों की जांच, रक्तचाप परीक्षण, बुखार, सर्दी-खांसी, त्वचा रोग और संक्रमण जैसी समस्याओं का परीक्षण कर रही है अनुभवी स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया जा रहा है और जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले छोटी बीमारियों के इलाज के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था जिससे समय और खर्च दोनों की परेशानी होती थी अब गांव में ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। शिविरों में गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच टीकाकरण जानकारी और पोषण परामर्श दिया जा रहा है। बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और सलाह के माध्यम से कुपोषण और मौसमी बीमारियों की रोकथाम पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि समय पर जांच और उपचार से गंभीर बीमारियों की संभावना कम हो सकती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के अनुसार इन शिविरों में केवल उपचार ही नहीं बल्कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास भी किया जा रहा है शिविरों में स्वच्छता, पोषण, संक्रामक रोगों से बचाव और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने इस पहल को मील का पत्थर बताते हुए सराहा ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें छोटी बीमारियों के लिए शहर या स्वास्थ्य केंद्र का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा जिससे समय और आर्थिक बोझ दोनों की बचत होगी कुल मिलाकर मनेंद्रगढ़ विकासखंड में शुरू किया गया यह साप्ताहिक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर अभियान ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रहा है। यह पहल न केवल उपचार उपलब्ध कराती है बल्कि ग्रामीणों में स्वास्थ्य जागरूकता और विश्वास को भी नई मजबूती दे रही है अगर आप चाहें मैं इसे एक पेज के अख़बार लेआउट की तरह कॉलम और छोटे हेडिंग के साथ तैयार करके दिखा सकता हूँ जिससे इसे सीधे समाचार पत्र में छापना आसान हो जाए।

खरीदी केंद्र में मिला अमानक गेहूं का ढेर तौल मिली गड़बड़ी के बाद सोसायटी को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। अमानक गेहूं का ढेर मिलने पर आपूर्ति अधिकारी नीता कोरी ने फटकार लगाई साफ करने के बाद ही खरीदने के निर्देश दिए अमानक गेहूं का ढेर मिलने पर आपूर्ति अधिकारी नीता कोरी ने फटकार लगाई साफ करने के बाद ही खरीदने के निर्देश दिए। नर्मदापुरम जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सख्त नजर आ रहा है कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिला उपार्जन समिति केंद्रों पर निरीक्षण कर रही है माखननगर ब्लॉक के अर्पित वेयरहाउस सहित विभिन्न खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया निरीक्षण में कई खामियां सामने आईं कृषक सहकारी समिति के खरीदी केंद्र अर्पित वेयरहाउस में गेहूं का करीब 700 क्विंटल ढेर लगा मिला। जिला आपूर्ति अधिकारी नीता कोरी ने केंद्र प्रभारी को फटकारते हुए कहा कि एक साथ गेहूं के ढेर न लगाएं अंकुर मीणा और सांकेत साहू का अमानक गेहूं मिला। जिसे साफ कर ही खरीदने के निर्देश दिए गए। अर्पित वेयरहाउस पर ही मात्र दो कांटों पर तुलाई होते मिली छह कांटे चालू करने के निर्देश दिए गए। संगठन डेरिया गोदाम में ट्रालियों को सडक़ पर खड़ा करने के बजाय परिसर में व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए वहीं बागलखेड़ी के श्रीहरी वेयरहाउस में अमानक गेहूं खरीदी पाए जाने पर केंद्र प्रभारी को नोटिस जारी किया गया। महावीर वेयरहाउस में भंडारित गेहूं के उठाव की व्यवस्था करने और केंद्र सरकार के एफएक्यू मापदंडों के अनुसार खरीदी करने के निर्देश दिए गए। इंद्रावती वेयरहाउस में करीब आठ हजार बोरी गेहूं की स्टैकिंग नहीं होने से खरीदी प्रभावित मिली जिस पर संबंधित समिति को तत्काल नोटिस जारी कर स्टैकिंग कराने के निर्देश दिए गए अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि खरीदी केंद्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस दौरान वेयरहाउसिंग प्रबंधक वासुदेव दबंडे और नागरिक आपूर्ति निगम प्रबंधक सुरेश सनखेरे भी मौजूद रहे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 2026 शुरू

कबड्डी, फुटबॉल, क्रिकेट, कराते और बैडमिंटन का मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा बच्चों और युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 2026 का आयोजन किया जा रहा है जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस शिविर में विभिन्न खेल विधाओं का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के सब जूनियर एवं जूनियर वर्ग के बालक-बालिकाओं को भाग लेने का अवसर मिलेगा शिविर के माध्यम से बच्चों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास तथा शारीरिक दक्षता विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार शिविर में कबड्डी, फुटबॉल, क्रिकेट, कराते तथा बैडमिंटन खेलों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा प्रत्येक खेल के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण स्थल निर्धारित किए गए हैं फुटबॉल और क्रिकेट का प्रशिक्षण आत्मानंद विद्यालय मनेंद्रगढ़ में आयोजित होगा कबड्डी प्रशिक्षण खेलो इंडिया लघु केंद्र बंजी में दिया जाएगा वहीं बैडमिंटन का प्रशिक्षण नई लेदरी स्थित बैडमिंटन हॉल में तथा कराते का प्रशिक्षण वार्ड क्रमांक 09 पेंड्रा दफाई मनेंद्रगढ़ में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 14 मई 2026 से 03 जून 2026 तक किया जाएगा प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक तथा शाम 5 बजे से 7 बजे तक संचालित होगा विभाग का उद्देश्य है कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान अधिक से अधिक बच्चे खेल गतिविधियों से जुड़ें और अपनी प्रतिभा को निखार सकें। शिविर में भाग लेने के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए पालकों की सहमति अनिवार्य होगी ऑनलाइन पंजीयन के लिए विभाग द्वारा गूगल फॉर्म लिंक जारी किया गया है।

[ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर ऑनलाइन पंजीयन लिंक] ऑफलाइन पंजीयन फॉर्म कार्यालय जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जिले के सभी विकासखंडों के विकासखंड नोडल अधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं।

जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिले के अधिक से अधिक बच्चों एवं अभिभावकों से इस नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर का लाभ उठाने की अपील की है विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजन भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सड़क हादसे में घायल तीन लोगों को डायल-112 जवानों ने समय पर पहुँचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा ने एक बार फिर त्वरित प्रतिक्रिया और जनसेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया है रतलाम जिले के थाना रिंगनोद क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। जानकारी के अनुसार 07 मई की सुबह राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना रिंगनोद क्षेत्र अंतर्गत बिनोली फंटा रोड पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई है हादसे में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे तथा तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता थी।

सूचना मिलते ही रिंगनोद थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचे डायल-112 स्टाफ आरक्षक चंद्रपाल सिंह एवं पायलट मंगलेश्वर सूर्यवंशी ने स्थिति का जायजा लिया और बिना समय गंवाए घायलों को एफआरव्ही वाहन की सहायता से तुरंत शासकीय अस्पताल जावरा पहुँचाया।

डायल-112 जवानों की तत्परता और संवेदनशील कार्यवाही के कारण घायलों को समय पर उपचार मिल सका।

माही नदी में नाव पलटने से दो की मौत मशीनों से नदी में वाइब्रेशन करने से जाल में आया शव

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बांसवाड़ा की माही नदी में मंगलवार को हुए हादसे में 48 घंटे बाद 21 साल के युवक जयेश और 8 साल के मानव शव गुरुवार को मिला है हादसे के बाद से लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था। एसडीआरएफ टीम की ओर से नदी में हादसे वाली जगह पर मशीनों से वाइब्रेशन कर जाल फेंका गया था कुछ देर बाद ही शव जाल में फंस गया और उसे बाहन निकाला। इसके बाद दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया जहां कुछ देर बाद मानव का शव भी मिल गया वहीं इस सर्च ऑपरेशन के दौरान जिस नाव से हादसा हुआ था वह भी मिल गई है।

दरअसलें माही नदी में दोपहर करीब 3 बजे नाव अनियंत्रित होकर पलट गई थी हादसा अरथूना थाना क्षेत्र में पांचवाड़ा पंचायत के भैंसाउ गांव में हुआ था इसमें 11 लोग सवार थे नाविक सहित 9 लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए जयेश (21) पुत्र कचरा तीरगर और मानव (8) पुत्र नाथू लापता हो गए मानव मोटागांव थाना क्षेत्र के चंदूजी का गढ़ा का रहने वाला है वह भानो का पाड़ा में मामा लालशंकर के घर आया हुआ था और मामा के साथ संगमेश्वर महादेव के दर्शन करने गया था। वहीं जयेश भानो का पाड़ा का निवासी था सभी 11 लोग इसी नाव में सवार थे जहां हादसा हुआ था वहां से 100 मीटर की दूरी पर ये नाव भी मिल गई। जहां हादसा हुआ था,वहां के 100 मीटर एरिया में नाव में लगी मोटर से पानी में वाइब्रेशन किया इसके साथ ही पानी में एक जाल फेंका जैसे ही पानी में वाइब्रेशन हुआ जयेश की बॉडी ऊपर आई और जाल में फंस गई इसके बाद मानव के शव की तलाश के दोबारा रेस्क्क्यू किया गया लगातार पानी में हुए वाइब्रेशन से दोपहर करीब ढाई बजे मानव का शव भी पानी के ऊपर आ गया उसका शव भी हादसे वाली जगह के करीब 100 मीटर दायरे में मिला। अरथूना थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि स हादसे के बाद एसडीआरएफ और नागरिक सुरक्षा की टीम मौके पर पहुंच गई थी स्थानीय लोगों और मछुआरों की मदद से लगातार जहां हादसा हुआ वहां तलाशी की जा रही थी।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 10 मई को

कक्षा 9वीं प्रवेश हेतु एडमिट कार्ड डाउनलोड शुरू विद्यार्थियों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर (आदिवासी विकास) कार्यालय द्वारा मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए आयोजित चयन परीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जारी आदेश के अनुसार प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु पात्र विद्यार्थियों की चयन परीक्षा 10 मई 2026, रविवार को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों की रिपोर्टिंग सुबह 9:00 बजे से 9:30 बजे तक निर्धारित की गई है। इसके बाद निरीक्षक द्वारा OMR शीट भरवाने की प्रक्रिया सुबह 9:30 बजे से 10:00 बजे तक संचालित की जाएगी। वहीं परीक्षा का आयोजन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में कम से कम एक घंटा पहले पहुंचना अनिवार्य होगा। विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र के साथ नवीनतम पासपोर्ट साइज के दो फोटो भी लाने होंगे।

परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर एवं किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही परीक्षार्थियों को आधार कार्ड अथवा विद्यालय परिचय पत्र जैसे फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। परीक्षा के दौरान केवल नीले अथवा काले बॉलपॉइंट पेन का ही उपयोग मान्य रहेगा। विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से निर्धारित समय और दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन करने की अपील की है। यदि किसी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र अथवा प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में किसी प्रकार की समस्या आती है तो वे कार्यालय कलेक्टर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में कार्यालयीन समय सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

एमसीबी पुलिस ने गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए आमजन से मांगा सहयोग वर्षों से लापता व्यक्तियों की खोज तेज

मीडिया ऑडीटर एमसीबी (निप्र)। एमसीबी पुलिस द्वारा जिले में वर्षों से लापता लोगों की तलाश अभियान को तेज कर दिया गया है पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी गुमशुदा व्यक्ति के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल नजदीकी थाना पुलिस कंट्रोल रूम अथवा संबंधित अधिकारियों को सूचित करें ताकि उन्हें सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाया जा सके पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना चिरमिरी क्षेत्र से वर्ष 2020 में गुम हुई 75 वर्षीय कुसुमनी का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है परिजनों के अनुसार वे 24 नवंबर 2020 की रात घर से बिना बताए कहीं चली गई थीं आसपास के क्षेत्रों एवं रिश्तेदारों के यहां खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। इसी प्रकार वर्ष 2019 में दर्ज एक अन्य मामले में 20 वर्षीय विक्रम घर से बिना बताए कहीं चला गया था परिवार द्वारा लगातार तलाश किए जाने के बावजूद युवक का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। तीसरे मामले में 26 वर्षीय जयमती सारथी वर्ष 2020 से लापता हैं जानकारी के अनुसार पारिवारिक विवाद के बाद वे घर से चली गई थीं जिनकी तलाश लगातार जारी है वहीं 82 वर्षीय खिरो नायक का मामला भी पुलिस के लिए चिंता का विषय बना हुआ है थाना चिरमिरी में गुम इंसान क्रमांक 15/2020 दर्ज है। जानकारी के अनुसार खिरो नायक 19 अगस्त 2020 को दोपहर करीब 12 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई थीं। परिजनों द्वारा आसपास एवं रिश्तेदारों के यहां खोजबीन के बाद 21 अगस्त 2020 को थाना चिरमिरी में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।

वरिष्ठ नागरिकों को न्याय और सुरक्षा का भरोसा दे रही विदिशा पुलिस की सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत

अभिनव पहल से पारिवारिक एवं संपत्ति विवादों का संवेदनशील निराकरण, 54 बैठकों में 131 मामलों का समाधान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। समाज में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों को सुदृढ़ करने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस के अंतर्गत विदिशा पुलिस द्वारा संचालित सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत एक प्रभावी और जनहितकारी पहल के रूप में सामने आई है यह मंच वरिष्ठ नागरिकों को न्याय सुरक्षा और विश्वास प्रदान करते हुए उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का माध्यम बन रहा है। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल के तहत वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े पारिवारिक, संपत्ति एवं सामाजिक विवादों की नियमित सुनवाई की जा रही है पंचायत की बैठकों में कोर कमेटी के सदस्य आर. कुलश्रेष्ठ, प्रमोद व्यास डॉ. सचिन गर्ग, विनोद शाह अतुल शाह एवं डी.के. वाजपेयी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

54 बैठकों में 187 प्रकरणों की सुनवाई: सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत की शुरुआत 23 जनवरी 2025 को की गई थी तब से लेकर 15 अप्रैल 2026 तक कुल 54 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं इन बैठकों में कुल 187 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें से 131 मामलों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया है शेष मामलों में दस्तावेज साक्ष्य और संबंधित पक्षों की उपस्थिति के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई जारी है हाल ही में आयोजित बैठक में 10 प्रकरणों की सुनवाई की गई जिनमें कई जटिल पारिवारिक विवादों का समाधान संवाद और समझाइश के माध्यम से किया गया एक मामले में शमशाबाद क्षेत्र के एक वरिष्ठ नागरिक ने शिकायत की थी कि उनके बेटे ने प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि खर्च कर दी और उनकी जमीन पर खेती कर रहा है पंचायत की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों को समझाइश देकर सहमति बनाई गई जिसके तहत बेटे ने 15 दिनों के भीतर शेष राशि लौटाने की बात स्वीकार की वहीं एक अन्य मामले में एक विधवा बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे द्वारा डराने-धमकाने तथा घर के बाहर खड़ी बाइक में आग लगाने की शिकायत की मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को विधिसम्मत आपराधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

दहलवाड़ा गांव में 44 लाख की नलजल योजना पूरी 122 घरों तक पहुंचा पानी

ग्रामीणों ने कलश यात्रा से किया स्वागत, मनाया जलोत्सव

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया (निप्र)। बनखेड़ी ब्लॉक के दहलवाड़ा गांव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने 44.77 लाख रुपए की नलजल परियोजना पूर्ण कर ग्राम पंचायत को सौंप दी है। इस परियोजना से गांव के 122 घरों तक पानी पहुंचा है जिसका ग्रामीणों ने कलश यात्रा निकालकर स्वागत किया कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर यह महत्वपूर्ण परियोजना को पूरी की गई उपखंड पिपरिया विकासखंड बनखेड़ी के ग्राम दहलवाड़ा खुर्द में परियोजना का कार्य पूर्ण होने के बाद इसका संचालन एवं संधारण ग्राम पंचायत को हस्तांतरित किया गया इस मौके पर गांव में कलश यात्रा निकालकर जलोत्सव मनाया गया। जलोत्सव मनाकर घर-घर पानी पहुंचने की खुशी जताई जलोत्सव मनाकर घर-लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री रवि केलवा ने बताया कि एसडीएम आकिप खान के दिशानिर्देश में अधीनस्थ स्टाफ ने इस परियोजना को गर्मियों में पूरा किया उन्होंने जानकारी दी कि इस गांव में पहले पेयजल की गंभीर समस्या थी ग्रामीण गर्मियों में हैंडपंप और खेतों के नलकूपों से पानी लाने के लिए परेशान होते थे क्योंकि हैंडपंप भी अक्सर सूख जाते थे। अब शासन के प्रस्ताव पर पूर्ण की गई इस परियोजना से घर-घर नल कनेक्शन के माध्यम से पानी पहुंचेगा ग्राम पंचायत इस परियोजना का रखरखाव करेगी जिससे ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से निजात मिलेगी।

मरदानपुर एवं नीलकंठ जलप्रदाय योजनाओं में पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना एवं नीलकंठ ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत ग्रीष्मकालीन पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया। मरदानपुर योजना में पेयजल संबंधी समस्या होने पर नागरिक मोबाइल नंबर 7898401752 तथा नीलकंठ योजना में पेयजल संबंधी समस्या होने पर नंबर 6260634008 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके साथ ही मरदानपुर योजना के लिए ग्राम मरदानपुर और नीलकंठ योजना के लिए ग्राम सोंठिया में हेल्पडेस्क भी बनाई गई है। उल्लेखनीय है कि मरदानपुर योजना से बुधनी एवं भैरूंदा के 161 तथा नीलकंठ ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना से भैरूंदा के 44 गांवों में पेयजल सप्लाई किया जाता है।

नेशनल लोक अदालत 09 मई को विद्युत प्रकरणों में विशेष छूट का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शेख सलीम के मार्गदर्शन में 09 मई को जिले के समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित तथा प्रीलिटीगेशन (मुकदमा पूर्व) स्तर के राजीनामा योग्य प्रकरणों का त्वरित एवं आपसी सहमति से निराकरण करना है। आयोजन जिला एवं तहसील स्तर पर किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ ले सकें। लोक अदालत में सिविल एवं आपराधिक शमनीय प्रकरण, परकाम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामले, बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना दावा (एम.ए.सी.टी.), वैवाहिक विवाद, श्रम प्रकरण, भूमि अधिग्रहण, सेवा निवृत्ति लाभ संबंधी मामले, राजस्व एवं दीवानी प्रकरण सहित अन्य सभी राजीनामा योग्य मामलों का निपटारा किया जाएगा।

विद्युत प्रकरणों में विशेष छूट : नेशनल लोक अदालत में विद्युत संबंधी मामलों के लिए विशेष छूट का प्रावधान किया गया है। विद्युत अधिनियम की धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों में निम्नलिखित राहत दी जाएगीकृ

प्रीलिटीगेशन स्तर पर : सिविल दायित्व राशि पर 30ः तक छूट,बकाया भुगतान में विलंब पर लगने वाले ब्याज में 100ः तक छूट।

लिटीगेशन स्तर पर : सिविल दायित्व राशि पर 20ः तक छूट,विलंबित भुगतान के ब्याज में 100ः तक छूट ।

यह सुविधा निम्नदाब श्रेणी के घरेलू, कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर-घरेलू एवं 10 अश्वशक्ति तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए लागू होगी (विद्युत चोरी के मामलों को छोड़कर)। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाकर अपने प्रकरणों का सरल, त्वरित एवं सुलभ समाधान प्राप्त करें। यह विशेष छूट केवल 09 मई 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत के लिए ही मान्य होगी।

ई-चेक गेट के माध्यम से की जा रही खनिज परिवहन की निगरानी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। प्रदेश में खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा प्रदेश भर में 40 ई-चेक गेट प्रारंभ किये गये हैं। इनका संचालन 16 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील के गोपालपुर एवं बुधनी तहसील के गडरियानाला पर ई चेक गेट स्थापित किये गये हैं। ई-चेक गेट के माध्यम से खनिजों जिसमें गिट्टी, मुरम व रेत के परिवहन की निगरानी की जा रही है।

इसमें गड़बड़ी होने पर चालानी कार्यवाही भी की जायेगी।: जिला खनिज अधिकारी श्री धर्मेंद्र चौहान ने बताया कि यह मानव रहित प्रणाली है जिससे खनिज परिवहन में लगे वाहनों की सतत् निगरानी हो सकेगी। इसके तहत परिवहन में लगे वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टैग लगाना अनिवार्य होगा। यह फ्रंट विंडशील्ड पर लगाया जाएगा। ई-चेक गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी स्वतः ही सिस्टम में दर्ज हो जायेगी। इससे ओव्हरलोडिंग, नंबर प्लेट छिपाने या अन्य प्रकार की गड़बड़ी पर तत्काल कार्यवाही की जा सकेगी। ई-चेक गेट पर वैरिफोकल कैमरा, ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रीडर, आरएफआईडी रीडर जैसे आधुनिक उपकरण लगाये जायेंगे, जो वाहन संख्या, खनिज की मात्रा और वजन का स्वतः मिलान करेंगे। यदि ई-ट्रांजिट पास में दर्ज जानकारी और वास्तविक परिवहन में अंतर पाया गया तो संबंधित वाहन मालिक पर ऑनलाईन ही कार्यवाही की जाएगी। जिले में वर्तमान में दो ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं। आगामी समय में बिलकिसगंज, से आष्टा, श्यामपुर एवं झागरिया में भी स्थापित किए जाएंगे।

उल्लंघन करने पर पंजीयन होगा : ई-चेक गेट जानकारी के आधार पर नियमों के उल्लंघन पर संबंधित वाहन का पंजीयन निरस्त या निलंबित किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन जब्त करने के निर्देश भी दिये जा सकेंगे। ई-चेक गेट से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर खनिज परिवहन में अनियमितता पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

मुद्रा लोन बना 35+ करोड़ महिलाओं की शक्ति सशक्त नारी, सशक्त देश की ओर बढ़ता भारत

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। खासतौर पर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने करोड़ों महिलाओं के जीवन में नई रोशनी लाई है। यह योजना न केवल उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि गरीबी से बाहर निकलने का एक सशक्त माध्यम भी बन रही है।

महिलाओं के सपनों को मिला पंख : मुद्रा योजना के अंतर्गत देशभर में करोड़ महिलाओं को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया गया है। इन ऋणों के माध्यम से महिलाएं छोटे-छोटे व्यवसाय जैसे सिलाई, ब्यूटी पार्लर, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, किराना दुकान आदि शुरू कर रही हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

तीन श्रेणियों में आसान ऋण सुविधा : मुद्रा योजना के तहत ऋण तीन श्रेणियों में दिया जाता हैकृ

शिशु (50,000 रुपए तक)
किशोर (50,000 से 5 लाख तक)
तरुण (5 लाख से 10 लाख रुपए तक)

इन श्रेणियों के ाध्यम से महिलाएं अपने व्यवसाय की आवश्यकता के अनुसार ऋण लेकर उसे धीरे-धीरे आगे बढ़ा सकती हैं।

गरीबी उन्मूलन में अहम भूमिका : मुद्रा लोन ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आय के नए स्रोत तैयार किए हैं। पहले जहां महिलाएं आर्थिक रूप से निर्भर थीं, वहीं अब वे अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि समाज में उनकी स्थिति भी मजबूत हुई है।

परिवार से समाज तक सकारात्मक प्रभाव : जब एक महिला आर्थिक रूप से सक्षम होती है, तो उसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण में सुधार आता है। यही बदलाव धीरे-धीरे समाज और देश के समग्र विकास में योगदान देता है।

फ्लेक्स होर्डिंग से व्यापक प्रचार-प्रसार :विदिशा जिले में इस योजना की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार हेतु शहर के दस प्रमुख चैराहों पर आकर्षक फ्लेक्स होर्डिंग लगाए गए हैं। इन होर्डिंग्स के माध्यम से आमजन आसानी से योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं और प्रदर्शित उपलब्धियों से अभिभूत हो रहे हैं।

गेहूं खरीदी धीमी, केंद्रों के बाहर दो दिन तक इंतजार, कारण: एक ही तौल कांटा

मीडिया ऑडीटर, भैरूंदा (निप्र)। तहसील क्षेत्र में गेहूं खरीदी की व्यवस्था लड़खड़ा गई है। मंगलवार को क्षेत्र के 6 से ज्यादा वेयरहाउसों पर एक जैसी स्थिति मिली। कई वेयरहाउसों में करीब 20-20 ट्रैक्टर-ट्रॉली गेहूं से भरी खड़ी रहीं। तुलाई धीमी है। हम्माली की कमी है। किसानों को घंटों नहीं, दो-दो दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है।

किसानों ने बताया कि शुरुआत में शासन ने तुलाई हर दिन सिर्फ 2200 क्विंटल तय की है। खरीदी की रफ्तार धीमी बनी हुई है। वेयरहाउसों पर लंबी कतारें लग रही हैं। किसानों का कहना है कि प्लेट कांटे से तुलाई हो तो काम तेज हो सकता है। ज्यादा किसानों का गेहूं समय पर तौला जा सकता है। अभी संसाधन सीमित हैं। सिर्फ एक कांटा चल रहा है। इससे व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मजदूरों की कमी भी सामने आई है। किसानों के मुताबिक मजदूरों को पूरा मेहनताना नहीं मिल रहा। मजदूर काम छोड़कर चले गए। हम्माली प्रभावित हुई। तुलाई और लोडिंग की प्रक्रिया और धीमी हो गई। कई किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली किराए पर लेकर गेहूं बेचने पहुंच रहे हैं। देरी के कारण उन्हें अतिरिक्त किराया देना पड़ रहा है। लागत बढ़ रही है। आर्थिक नुकसान हो रहा है। रेवा शंकर यादव, संदीप यादव, अंकित यादव, जसवंत यादव, आशीष यादव, राजेश राजपूत सहित अन्य किसानों ने प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग की है। कुछ वेयरहाउस प्रबंधकों ने कहा कि सरकार स्लॉट बुकिंग की सीमा बढ़ाकर करीब 10 एकड़ तक कर दे। ज्यादा किसानों को एक साथ लाभ मिलेगा। भीड़ कम होगी। किसानों ने तुलाई क्षमता बढ़ाने की मांग की है। मजदूरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। खरीदी प्रक्रिया सुचारू करने की मांग की है।

सिवनी मालवा में अवैध शराब से भरा पिकअप पकड़ा

बैतूल ले जा रहे थे; लोखरतलाई में दो घंटे तक नहीं आई पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा क्षेत्र के ग्राम लोखरतलाई में पुलिस ने अवैध शराब से भरा एक पिकअप वाहन (MP28G1008) पकड़ा। यह शराब सिवनी मालवा से बैतूल जिले के चिचोली की ओर ले जाई जा रही थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम के देरी से पहुंची।

दो घंटे तक मौके पर ही खड़ा रहा वाहन: पकड़ा गया संदिग्ध पिकअप वाहन सूचना के बाद करीब दो घंटे तक मौके पर ही खड़ा रहा। सिवनी मालवा थाने से पुलिस टीम समय पर नहीं पहुंच सकी, जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर चालक से पूछताछ की। पुलिस ने वाहन को थाने लाकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मक्का बेचकर शराब ले जा रहा था: प्रारंभिक पूछताछ में चालक ने बताया कि वह क्षेत्र में मक्का बेचने आया था और वापसी में शराब लेकर जा रहा था। चालक ने शुरुआत में माल की बिल्टी होने का दावा किया और एक ठेकेदार से संपर्क भी करवाया। पुलिस अब इस अवैध नेटवर्क के संचालन और इसमें शामिल अन्य लोगों की जांच कर रही है।

शराब की गिनती के बाद दर्ज होगा मामला: थाना प्रभारी सुधाकर बारसकर ने बताया कि वाहन को थाने लाकर खड़ा कर लिया गया है। बरामद शराब की पेटियों की गिनती की जा रही है, जिसके बाद ही शराब की मात्रा और उसकी कुल कीमत का खुलासा हो सकेगा।

सिंगरौली में दो बाइक आपस में भिड़ीं, दो की मौत

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के सरई थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा हो गया। निवास चौकी अंतर्गत कछरा गांव के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर पहुंची पुलिस, घायलों को अस्पताल भेजा: हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निवास भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

तेज रफ्तार और लापरवाही बनी वजह: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं और लापरवाही से चलाई जा रही थीं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दूर जा गिरे। कई लोगों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकतर बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिससे चोटें ज्यादा गंभीर हो गईं।

टीआई बोले-हर पहलू से कर रहे जांच: पुलिस के अनुसार मृतक और घायल निवास चौकी क्षेत्र के रजनिया गांव और अटारी गांव के रहने वाले हैं। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि शुरुआती जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और लापरवाही लग रही है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आगे कार्रवाई की जाएगी।

टाटा सफारी कार से मिली देशी पिस्टल और कारतूस

रतलाम में महू-नीमच हाइवे से इंदौर के 4 लोगों को पकड़ा; पुलिस पूछताछ में जुटी

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम के रिंगनोद थाना पुलिस ने इंदौर पासिंग टाटा सफारी कार से एक देशी पिस्टल व एक जिंदा कारतूस जब्त किया है। कार में इंदौर के चार लोग सवार थे। चारों के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया है। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया एसपी अमित कुमार ने जिले में अवैध हथियारों के विरुद्ध प्रभावी नियंत्रण एवं सख्त कार्रवाई के लिए सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है। इसी कड़ी में 5 मई को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। सूचना मिली की महू-नीमच हाइवे स्थित सरदार ढाबे के सामने एक वाहन अवैध हथियार के साथ मौजूद है। सूचना पर थाना रिंगनोद अंतर्गत चौकी ढोढर पुलिस टीम ने घेराबंदी की।

एक काले रंग की टाटा सफारी कार (क्रमांक MP-09-AJ-0090) की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार में सवार आरोपियों के कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने वाहन समेत अवैध हथियार को जप्त कर लिया। आरोपियों से हथियार के स्रोत एवं अन्य संभावित संलिप्त लोगों के बारे में पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

इन्हें किया गिरफ्तार: अतुल (29) पिता श्यामलाल राजनोद, अभिराज (38) पिता माधवसिंह बघेल, राहुल (31) पिता जयनारायण सोलंकी एवं संजय (29) पिता सुरेश मालवीय सभी इंदौर निवासी है। जप्त अवैध देशी पिस्टल एवं एक जिंदा कारतूस की कीमत 24 हजार रुपए है। जबकि टाटा सफारी कार की कमित करीब 20 लाख रुपए है।

गुटखा के विवाद में हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

विवाद में लाठी और पत्थरों से की थी मारपीट, दो भाई हुए थे घायल

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के बरायठा थाना क्षेत्र के ग्राम धवारा में गुटखा के विवाद में हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने मंगलवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर आरोपियों से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध करना स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार, 1 मई की रात करीब 9 बजे थाना बरायठा के ग्राम धवारा में आपसी विवाद हुआ। फरियादी ने बताया था कि गुटखा देने से इंकार करने पर आरोपी राजेश अहिरवार, उसके भाई वीरन अहिरवार ने मारपीट शुरू की। इसके बाद विवाद बढ़ने पर आरोपी राजेश, वीरन और गोकल अहिरवार ने लाठी और पत्थरों से हमला कर बाबूलाल, खिलान और विनोद अहिरवार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट में खिलान अहिरवार के सिर में गंभीर चोट आई। जिसे इलाज के लिए बीएमसी में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान खिलान की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीमें लगाई गई। मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की गई। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने गांव के पास से आरोपी राजेश अहिरवार, वीरन अहिरवार और गोकल अहिरवार तीनों निवासी धवारा को गिरफ्तार किया। बरायठा थाना प्रभारी मकसूद अली ने बताया कि हत्या के मामले में फरार तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। गुटखा नहीं देने के मामूली विवाद में मारपीट में घायल खिलान की इलाज के दौरान मौत हुई थी।

रतलाम में फोरलेन पर लोडिंग वाहन में आग

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम-इंदौर फोरलेन पर बुधवार सुबह एक लोडिंग वाहन में आग लग गई। वाहन में टेंट का सामान रखा था। सामान समेत वाहन पूरा जल कर खाक हो गया। ड्रायवर को चलते वाहन में कुछ जलने का अंदेशा हुआ तो गाड़ी को रोड से साइड में खड़ी कर बाहर कूद गया। हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार लोडिंग वाहन रतलाम से शादी समारोह का टेंट का सामान लेकर गांव धराड़ की तरफ जा रहा था। रतलाम की सीमा से बाहर निकलने के बाद महू-नीमच फोरलेन किनारे स्थित चौपाल सागर के पास अचानक लोडिंग में धूआं व कुछ जलने की आशंका ड्रायवर को हुई। ड्रायवर ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को साइड में खड़ा किया और खुद तुरंत बाहर की तरफ कूद गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। लोडिंग में रखा पूरा सामान जल गया।

फायर ब्रिगेड पहुंची: सूचना मिलने पर सालाखेड़ी चौकी पुलिस व फायर ब्रिगेड पहुंची। आग पर काबू पाया। आग के कारण करीब आधे से पौन घंटे तक वाहनों को भी रोकना पड़ा। लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह से जल गया। सालाखेड़ी चौकी प्रभ0ारी जगदीशचंद्र यादव ने बताया कि आग में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। टेंट के सामान के साथ लोडिंग पूरी तरह से जल गया है।

गर्भवती माताओं को दी गई स्वास्थ्य व संस्कारों की सीख

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा शहर में आज गायत्री परिवार के सहयोग से सामूहिक गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 गर्भवती माताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कस्बा, परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह तथा विभागीय सुपरवाइजर एवं अन्य सहयोगी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ है।महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया है कि सभी गर्भवती माताओं का पारंपरिक विधि से गोद भराई संस्कार किया गया, जिससे उनमें उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।इस अवसर पर गर्भावस्था के दौरान आवश्यक सावधानियों, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भकाल में उचित देखभाल से माता और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है।कार्यक्रम में अध्यात्म के माध्यम से गर्भस्थ शिशु के मानसिक एवं नैतिक विकास पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि सकारात्मक विचार, अच्छे संस्कार और ध्यान–योग के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान, संकल्पशक्ति से परिपूर्ण, बलशाली एवं कुशाग्र बनाया जा सकता है।इस दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना प्रमुख रहीं। साथ ही जिला अस्पताल में उपलब्ध बर्थ वेटिंग एरिया की सुविधा के बारे में भी बताया गया। ार्यक्रम के अंत में सभी गर्भवती माताओं को संस्कार से संबंधित वीडियो प्रदर्शित किए गए, जिससे उन्हें गर्भावस्था के दौरान सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा सके।

मंदसौर में बस ने पिकअप को मारी टक्कर

तीन घायल, एक की हालत गंभीर जिला अस्पताल में इलाज जारी

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के मल्हारगढ़ के समीप मंगलवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे हुए सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों का इलाज मंदसौर के जिला चिकित्सालय में जारी है। जानकारी के अनुसार, तीनों लोग लोडिंग पिकअप वाहन में मार्बल भरकर राजस्थान के नाथद्वारा से रतलाम जिले के ताल लौट रहे थे। इसी दौरान मल्हारगढ़ के पास पीछे से आ रही एक बस ने उनकी पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन में सवार तीनों लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान और हालत हादसे में घायल होने वालों में किशोर सिंह (35) पिता गोवर्धन सिंह, विक्रम सिंह (32) पिता अर्जुन सिंह और शीतल सिंह (50) पिता शंभू सिंह शामिल हैं। विक्रम सिंह का हाथ फ्रैक्चर हुआ है और शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। किशोर सिंह के भी हाथ में फ्रैक्चर के साथ शरीर के कई हिस्सों में चोट है। वहीं शीतल सिंह के सिर, मुंह, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

नीमच मंडी से फसल बेचकर गए थे नाथद्वारा: बताया जा रहा है कि तीनों ताल क्षेत्र के निवासी हैं और फसल बेचने के लिए नीमच गए थे। सोमवार को उन्होंने नीमच मंडी में अपनी फसल बेची, जिसके बाद वे नाथद्वारा रंवाना हुए। वहां से मंगलवार को मार्बल भरकर वापस ताल लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

अनजान व्यक्ति बना मददगार, टोल पर नहीं मिली सहायता: घटना के बाद मौके पर पहुंचे एक अज्ञात व्यक्ति ने मानवता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। किशोर सिंह के अनुसार, रास्ते में पिपलिया मंडी टोल नाके पर एम्बुलेंस के रूप में मदद भी मांगी गई, लेकिन वहां से सहयोग नहीं मिला। अंततः उसी अनजान व्यक्ति ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया।

जिला अस्पताल में इलाज जारी: तीनों घायलों को मंदसौर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार शीतल सिंह की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य दोनों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

न्यू चंडीगढ़ लगातार दूसरे साल होस्ट करेगा आईपीएल प्लेऑफ मुकाबले

न्यू चंडीगढ़ ,एजेंसी । न्यू पीसीए स्टेडियम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अहम मुकाबलों की मेजबानी मिली है। बीसीसीआई ने मंगलवार को प्लेऑफ मुकाबलों का आधिकारिक शेड्यूल जारी किया, जिसके तहत न्यू चंडीगढ़ का यह आधुनिक स्टेडियम एलिमिनेटर और क्वालिफायर-2 जैसे निर्णायक मैचों का गवाह बनेगा। पीसीए प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता ने कहा कि पिछले साल भी यहां प्लेऑफ मुकाबलों की मेजबानी सफलतापूर्वक हुई थी और इस बार भी पंजाब पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, पिछले साल भी हमें प्लेऑफ मुकाबलों की मेजबानी मिली थी, जो पूरी तरह सफल रही। एक बार फिर हम इन मैचों की मेजबानी के लिए तैयार हैं। बीसीसीआई ने

पंजाब पर दोबारा विश्वास जताया है। हम दोनों मुकाबलों में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे ताकि फैंस के लिए ये मैच यादगार बन सकें। उन्होंने आगे कहा, आईसीसी चेयरमैन और बीसीसीआई अधिकारियों के हम आभारी हैं, जिन्होंने पंजाब को ये मुकाबले देकर नॉर्थ इंडिया के क्रिकेट फैंस को गर्व का मौका दिया। यह मेरे लिए भी सम्मान की बात है। मैं इसे उन फैंस की जीत मानता हूं, जिन्होंने हमेशा पंजाब को एक शानदार मेजबान माना है।

आईपीएल 2026 प्लेऑफ मुकाबलों की शुरुआत 26 मई को एचपीसीए स्टेडियम में खेले जाने वाले क्वालिफायर-1 से होगी। इसके बाद क्रिकेट का रोमांच न्यू चंडीगढ़ पहुंचेगा, जहां 27 मई को अंक तालिका में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा

इसके बाद 29 मई को क्वालिफायर-2 भी न्यू चंडीगढ़ में आयोजित होगा, जिसमें क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर की विजेता टीम आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले की विजेता टीम फाइनल में जगह बनाएगी। टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को नरेंद्र मोदी स्टेडियम अहमदाबाद में खेला जाएगा, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम माना जाता है। पहले फाइनल की मेजबानी बेंगलुरू को मिलनी थी, लेकिन कुछ लॉजिस्टिक कारणों के चलते फाइनल का वेन्यू बदल दिया गया।

अमरजीत मेहता ने कहा कि लगातार दूसरे साल बड़े क्रिकेट आयोजन की मेजबानी मिलने से पंजाब के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। स्टेडियम में देशभर से क्रिकेट प्रशंसकों के पहुंचने की उम्मीद है, जिससे स्पोर्ट्स टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय वेंडर्स को भी रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम ,एजेंसी । विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं। सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है। गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी।

इटालियन ओपन- ऑल्टमायर ने झिझेन को हराया, दूसरे राउंड में ज्वेरेव से होगा मुकाबला

रोम ,एजेंसी । डेनियल ऑल्टमायर ने इटालियन ओपन के पहले राउंड में झांग झिझेन को 4-6, 7-6(3), 6-4 से हराकर दो मैच पॉइंट बचाए। यह इस सीजन का उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 मैच था। 27 साल के इस खिलाड़ी का अब दूसरे राउंड में मुकाबला दो बार के रोम चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जो अपनी एटीपी हेड टू हेड सीरीज में 3-1 से आगे हैं। दूसरी तरफ, यानिक हनफमैन और जान-लेनार्ड स्ट्रफ भी आगे बढ़े। हनफमैन ने पूर्व टॉप-10 स्टार ह्यूबर्ट हर्काज को 6-7(3), 7-6(2), 6-2 से हराकर दूसरे राउंड में 18वें सीड लुसियानो डार्डेरी के साथ मुकाबला तय किया। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, स्ट्रफ ने फ्रांसिस्को कोमेसाना को 6-2, 6-4 से हराया और अब उनका मुकाबला 11वीं सीड जिरी लेहेका से होगा। घरेलू पसंदीदा माटेओ अर्नाल्डी ने जैमे मुनार के खिलाफ मुश्किल शुरुआती टेस्ट जीतकर अपनी अच्छी फॉर्म बनाए रखी। अर्नाल्डी, जिन्होंने पिछले सप्ताह कैग्लियारी में एटीपी चैलेंजर 175 इवेंट में ट्रॉफी उठाई थी, ने इस साल छह कोशिशों में अपनी पहली टूर-लेवल मैच जीत के लिए 6-3, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की। ??इटालियन तीसरे राउंड में जगह बनाने के लिए छठी सीड एलेक्स डी मिनौर से खेलेंगे।

सेबेस्टियन बाएज और नूनो बोर्गेस फोरो इटालिको में पहले दिन के दूसरे पहले राउंड के विजेताओं में शामिल थे।

बाएज को सात मैच पॉइंट्स की जरूरत थी, लेकिन आखिरकार उन्होंने जेनसन ब्रूक्सबी के खिलाफ 6-3, 7-6(8) से जीत हासिल की। अब उनका अगला मुकाबला नौवीं सीड अलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा।

आईपीएल 2026 एसआरएच के खिलाफ शतक लगाकर कूपर कोनोली ने अपने नाम किए ये रिकॉर्ड

हैदराबाद ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में बुधवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच एक मुकाबला खेला गया। एसआरएच ने 33 रन से मैच जीतकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। कूपर कोनोली का विस्फोटक शतक भी पंजाब किंग्स को हार से और एसआरएच के हाथों अंकतालिका में पहला स्थान गंवाने से नहीं रोक सका। कूपर कोनोली अपनी शतकीय पारी से बेशक पंजाब किंग्स को जीत नहीं दिला सके, लेकिन कई रिकॉर्ड उनके नाम जुड़ गए। कूपर कोनोली आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। बुधवार को हुए मुकाबले में कोनोली ने 22 साल 257 दिन की उम्र में अपना पहला आईपीएल शतक लगाया। 22 साल की उम्र में पंजाब किंग्स के लिए शतक लगाने वाले कोनोली दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। कोनोली से पहले प्रभसिमरन सिंह ऐसा कर चुके हैं।

पंजाब किंग्स के किसी भी बल्लेबाज द्वारा एसआरएच के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड कोनोली के नाम हो गया है। पूर्व में यह रिकॉर्ड किस गेल के नाम था। गेल ने 2018 में नाबाद 104 रन बनाए थे।

कोनोली ने अपनी पारी में 8 छक्के लगाए। 22 साल की उम्र में पंजाब किंग्स के किसी भी बल्लेबाज द्वारा आईपीएल की किसी एक पारी में सर्वाधिक

छक्कों का यह रिकॉर्ड है।

मैच पर गौर करें तो एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 235 रन बनाए थे। 236 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के दोनों ओपनर, प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह, 4 के स्कोर तक पेवेलियन लौट गए। विकेटों के गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा। कूपर कोनोली ने अकेले संघर्ष किया। अगर किसी एक बल्लेबाज ने भी कोनोली का साथ दिया होता, तो मैच पंजाब जीत सकती थी। कोनोली 59 गेंदों पर 8 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 107 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी, सामने आया शेड्यूल

नई दिल्ली ,एजेंसी । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 23 मई को तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंचेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। पीसीबी के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेगी। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 मई को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। 2 और 4 जून को दूसरा और तीसरा मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। तीनों मैच स्थानीय समय के अनुसार शाम 4.30 बजे शुरू होंगे। टॉस शाम 4 बजे होगा। पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया सीरीज आईपीएल 2026 के प्लेऑफ शेड्यूल से टकराएगी।

ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े व्हाइट-बॉल खिलाड़ी आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं। इसलिए पाकिस्तानी जाने वाली टीम में कई बड़े खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे। जिन खिलाड़ियों की फ्रेंचाइजी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाती है, वे पहले वनडे से पूर्व टीम से जुड़ सकते हैं। एलएसजी के मिशेल मार्श, जोश इंग्लिस और केकेआर के कैमरन ग्रीन टीम से जुड़ सकते हैं। एलएसजी और केकेआर के आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना न के बराबर है। पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और ट्रेविस हेड जैसे खिलाड़ियों को अगस्त में बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज पर ध्यान देने के लिए आराम दिया जा सकता है, जबकि कूपर कोनोली, जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशुइस और मैथ्यू शॉर्ट को जून में बांग्लादेश में व्हाइट-बॉल सीरीज में खेलने के लिए कुछ ब्रेक दिया जा सकता है। एलेक्स कैरी, एडम जम्पा और मार्नस लाबुशेन, जो हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में खेले थे, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हो सकते हैं। नाथन एलिस और मैथ्यू रेनशॉ भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बना सकते हैं।

टी20 मुंबई लीग 2026: 1 से 13 जून तक खेला जाएगा टूर्नामेंट

मुंबई ,एजेंसी । टी20 मुंबई लीग का सीजन 4 और टी20 मुंबई महिला लीग का पहला सीजन 1 से 13 जून तक वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने गुरुवार को यह घोषणा की। पुरुषों और महिलाओं का टूर्नामेंट एक साथ होगा। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, टी20 मुंबई लीग ने मुंबई के क्रिकेट संस्कृति को मजबूत करने और उभरते हुए खिलाड़ियों को खेल के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ खेलने का मौका देने में लगातार अहम भूमिका निभाई है। वानखेड़े स्टेडियम में पुरुषों और महिलाओं दोनों के टूर्नामेंट कराना, प्रतिभाओं के विकास के लिए और मुंबई क्रिकेट को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के एमसीए की प्रतिबद्धता को दिखाता है। लीग गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष राजदीप गुप्ता ने कहा, वानखेड़े स्टेडियम में खेलने का मौका कई युवा क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा पल होगा और बतौर क्रिकेटर उनके विकास के सफर में एक जरूरी मंच होगा। स्टार स्पोर्ट्स पर लाइव टेलीकास्ट और जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के साथ, खिलाड़ियों को देश भर के दर्शकों के सामने कीमती एक्सपोजर मिलेगा। फैंस पूरे टूर्नामेंट में क्रिकेट के एक रोमांचक और हाई-क्वालिटी ब्रांड की उम्मीद कर सकते हैं। पुरुषों के इस कॉम्पिटिशन में दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट नाम और शहर के सबसे होनहार उभरते खिलाड़ी शामिल होंगे। इन क्रिकेटरों में सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे, यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे, सरफराज खान, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे, आयुष म्हात्रे, अंगकृश रघुवंशी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे और अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

पहली महिला लीग में घरेलू सर्किट के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों के साथ कुछ बड़े नाम भी शामिल होंगे, जिनमें सायली सतघरे, साइमा ठाकोर, हुमैरा काजी, टीनएज बैटिंग सेंसेशन इरा जाधव, जो नीलामी में सबसे महंगी बिकीं, सनिका चालके, और सिमरन शेख शामिल हैं। पुरुषों की लीग में 8 टीमें हैं, जबकि महिलाओं के लिए शुरू हो रहे लीग के पहले संस्करण में 3 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

आईपीएल 2026- सनराइजर्स हैदराबाद का रिकॉर्ड 8वीं बार पंजाब किंग्स के खिलाफ दोहरा शतक

हैदराबाद ,एजेंसी । सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में एक विरोधी के खिलाफ सबसे ज्यादा बार दोहरा शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से नंबर-1 बन गई है। एसआरएच ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 49वें मैच में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के सामने जीत के लिए 236 रन का टारगेट रखा। ऐसा 8वीं बार है, जब सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 200+ स्कोर किया। इस मामले में एसआरएच ने मुंबई इंडियंस की बराबरी कर ली है, जिसने दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 8 बार ऐसा किया है। यह आईपीएल इतिहास में पंजाब किंग्स का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। साल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पीबीकेएस के विरुद्ध दूसरी पारी में 247/2 रन बनाए थे। साल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद ने दूसरी पारी में 215/6 रन जुटाए थे, जबकि आईपीएल 2019 में पहली पारी में 212/6 का स्कोर खड़ा किया था। सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी के दौरान पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने 4 ओवरों में 61 रन लुटा दिए। वह एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। ऐसा दूसरी बार था, जब यानसेन ने एक ही आईपीएल मैच में 60+ रन लुटाए। सनराइजर्स हैदराबाद की इस पारी में 17 छक्के शामिल थे। यह एसआरएच की तरफ से आईपीएल मैच की एक पारी में पंजाब किंग्स के खिलाफ सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी है। आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा बार 60+ रन लुटाने के मामले में अर्शदीप सिंह शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 3 बार ऐसा किया।

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीम घोषित की

भोपाल ,एजेंसी । हॉकी इंडिया ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए 24-सदस्यीय भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला टीम की घोषणा की। सीरीज 15 से 20 मई तक भोपाल के उद्धव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में होगी। चार मैचों की यह सीरीज 29 मई से 6 जून 2026 तक होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप काकामिगाहारा (जापान) 2026 के लिए टीमों की आखिरी तैयारियों का एक अहम हिस्सा है। हर टीम में आखिरी 24 खिलाड़ियों को नेशनल कोचिंग कैंप के दौरान एक सप्ताह की कड़ी जांच के बाद चुना गया, जहां शुरुआती 42 खिलाड़ियों के ग्रुप को मैच फिटनेस और तकनीकी क्षमता के आधार पर चुना गया था। फॉरवर्ड केतन कुशवाहा को इंडियन अंडर-18 पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया है। स्वीटी कुजूर महिला अंडर-18 टीम की कप्तान होंगी।

पुरुष टीम को कोचिंग दे रहे पूर्व हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह ने कहा, कैंप में एक अच्छे हफ्ते के बाद, हमने उन 24 खिलाड़ियों को पहचाना है जिनके बारे में हमें लगता है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मैच अभ्यास मैच नहीं हैं। ये हमारी मानसिकता और तकनीकी क्षमता का टेस्ट हैं। केतन पिच पर एक नेचुरल लीडर हैं। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि जापान में अंडर-18 एशिया कप में जाने से पहले यह ग्रुप ऑस्ट्रेलियन स्टाइल की तेजी

और दबाव को कैसे हैंडल करता है।

महिला टीम की कोच पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने कहा, हमने स्क्वॉड में 24 खिलाड़ियों को जगह दी है। ये सभी खिलाड़ी कैंप में बेहतरीन रही थीं। स्वीटी के पास इस युवा टीम को अच्छे से लीड करने के लिए जरूरी अनुभव और विजन है। भोपाल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टॉप टीम के खिलाफ चार मैच खेलने से हमें अपनी ताकत और उन क्षेत्र की साफ तस्वीर मिलेगी जिनमें काम करने की जरूरत है। यह सीरीज एशिया कप से पहले लड़कियों के लिए रिहर्सल की तरह है।

भवन निर्माण के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें : कमिश्नर

कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू के कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग पीआईयू द्वारा संभाग में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई बैठक में कमिश्नर ने कहा कि भवन निर्माण के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा में पूरे कराये जाय उन्होंने संभाग अन्तर्गत स्वीकृत 30 सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि कार्यों को तत्परता के साथ जून माह तक पूर्ण करा लें ताकि नवीन शिक्षण सत्र से भवन में विद्यालय संचालित होने लगे उन्होंने कहा कि जहां भी कुछ बाधायें आ रही है उनका समन्वय बनाकर निराकरण सुनिश्चित करें कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में कमिश्नर ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों में अंडरग्राउंड वाटर टैंक का निर्माण अवश्य करायें ताकि जल जीवन मिशन द्वारा कराये जा रहे कार्य से विद्यालय में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी निर्माण कार्यों का लगातार भ्रमण कर निरीक्षण करें तथा कार्यों की गुणवत्ता को देखें और समय-समय पर टेधस्टग लैब में गुणवत्ता परीक्षण भी करायें इस अवसर पर बताया गया कि मेडिकल कालेज रीवा में निर्माणाधीन पीजी छात्रावास का निर्माण कार्य जुलाई तक पूर्ण करा लिया जायेगा। इसी प्रकार पुर्नघनत्वीकरण योजना से रीवा मेडिकल कैंपस में निर्माणाधीन आवासों का भी निर्माण कार्य भी जून तक पूर्ण कर लिया जायेगा। शासकीय ई-टाइप के आवास अगस्त माह तक पूर्ण करा लिये जायेंगे। कमिश्नर ने पशु चिकित्सालय कार्यालय भवन तथा उससे लगे अन्य कार्य एवं आयुर्वेद कालेज में निर्माणाधीन कार्यों को त्वरित गति से कराते हुए पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर बताया गया कि संभाग में भवन निर्माण विभाग द्वारा 156 कार्य कराये जा रहे हैं। बैठक में संभागवार कार्यों की अद्यतन जानकारी संबंधित कार्यपालन यंत्री द्वारा प्रस्तुत की गयी इस दौरान संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, मुख्य अभियंता लोक निर्माण (भवन) एस.सी. वर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे कमिश्नर ने सड़क निर्माण कार्य की समीक्षा की - कमिश्नर बीएस जामोद ने लोक निर्माण विभाग द्वारा संभाग में कराये जा रहे सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि वन भूमि के प्रकरणों में समन्वय बनाकर निराकृत कराते हुए सड़क निर्माण कार्य करायें उन्होंने निर्माण कार्य में भूअर्जन की कार्यवाही करते हुए धारा 11 व धारा 19 की प्रक्रिया को संपन्न कराने के निर्देश दिये कमिश्नर ने विभाग द्वारा प्लान मजबूतीकरण विशेष मजबूतीकरण सीआईआईएफ तथा नवीनीकरणमद के कार्यों की जानकारी ली मंडी निधि से स्वीकृत कार्यों की अद्यतन जानकारी न होने पर कमिश्नर ने अप्रसन्नता व्यक्त की इस दौरान मुख्य अभियंता लोक निर्माण केके लक्ष्ये सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयुआई ने संबल योजना और छात्रवृत्ति की समस्याओं को लेकर, प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनएसयुआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य को विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में बीबीए एवं बीसीए पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के संबल कार्ड कोड जनरेट न होने तथा छात्रवृत्ति राशि नहीं मिलने की समस्या प्रमुख रूप से उठाई गई। पंकज उपाध्याय ने बताया कि संबल कार्ड का कोड जनरेट न होने के कारण विद्यार्थियों को एकमुश्त 25 हजार से अधिक की फीस जमा करनी पड़ रही है। अधिकांश छात्र मध्यमवर्गीय एवं किसान परिवार से संबंध रखते हैं, जिसके चलते उनके लिए इतनी बड़ी राशि एक साथ जमा करना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही छात्रवृत्ति के नाम पर विद्यार्थियों से पूर्ण शुल्क जमा करवाया जाता है और यह आश्वासन दिया जाता है कि सत्र समाप्ति के बाद राशि छात्रवृत्ति के रूप में वापस कर दी जाएगी लेकिन विगत कई वर्षों से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त नहीं हो सकी है इससे विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है जारी प्रेस विज्ञप्ति में जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि यदि तीन दिन के अंदर विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो एनएसयूआई छात्रहित में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, रीवा विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी,जिला सचिव अजय सिंह, अ प्र सिं विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष विशू वर्धन सिंह, जेएनसीटी महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष आदि सैकड़ो की संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे ।

करहिया मंडी के खरीदी केंद्रों में बारिश से भीगा लाखों का गेहूं

खरीदी प्रभारियों की लापरवाही पर उठे सवाल, किसानों ने जांच की मांग की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के करहिया मंडी स्थित गेहूं खरीदी केंद्रों में अव्यवस्थाओं और लापरवाही का मामला सामने आया है। सेवा सहकारी समिति खैरा क्रमांक-1 एवं बहुरी बांध समिति द्वारा संचालित खरीदी केंद्रों में हुई बारिश के कारण लाखों रुपये का गेहूं भीग गया। मामले को लेकर किसानों और स्थानीय लोगों ने खरीदी प्रभारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं जानकारी के अनुसार मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा पहले ही बारिश की संभावना को लेकर अलर्ट जारी किया गया था इसके बावजूद खरीदी केंद्रों में गेहूं को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। आरोप है कि खरीदी प्रभारियों की लापरवाही और निष्क्रियता के चलते खुले में रखा गेहूं बारिश में भीग गया जिससे शासन को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है किसानों का कहना है कि यदि समय रहते गेहूं को सुरक्षित स्थान पर रखा जाता या तिरपाल सहित अन्य व्यवस्थाएं की जातीं तो नुकसान रोका जा सकता था स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि खरीदी केंद्रों में मनमाने तरीके से कार्य किया जा रहा है और किसानों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कुछ किसानों ने आरोप लगाया कि खरीदी केंद्रों में निर्धारित मानक से अधिक वजन लिया जा रहा है तथा तौल प्रक्रिया के नाम पर अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है किसानों का कहना है कि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को कई बार जानकारी दी गई लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नॉन अधिकारी सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारी खरीदी केंद्रों का नियमित निरीक्षण नहीं करते, जिसके कारण व्यवस्थाएं लगातार बिगड़ती जा रही हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए जांच और सुधारात्मक कदम उठाता है।

बृद्धाश्रम पहुंचे कलेक्टर आत्मीय भाव से बृद्धजनों से की मुलाकात बृद्ध माताओं ने कलेक्टर को दिया आशीष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बृद्धाश्रम में बृद्धजनों से आत्मीय मुलाकात की उन्होंने कहा कि मैं आप सबका आशिर्वाद लेने आया हूं बृद्धाश्रम की माताओं ने कलेक्टर को स्नेहिल भाव से आशीष दिया इस अवसर पर कलेक्टर ने बृद्धाश्रम में निवासरत माताओं व बृद्धजनों से संवाद करते हुए बृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी ली बृद्धाश्रम की माताओं ने आत्मीय भाव से कलेक्टर से अपने नाती-पोतों के लिये कहीं भी नौकरी या व्यवसाय की व्यवस्था कराने की बात कही कलेक्टर ने कहा कि आप बृद्धाश्रम में रहकर भी अपने परिजनों के हित की ही बात सोच रही हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि पीएम स्वनिधि या अन्य किसी योजना से आर्थिक मदद के तौर पर ऋण उपलब्ध कराया जायेगा ताकि वह अपने पैरों पर खड़े हो सकें बृद्धाश्रम की माता शैल ने बताया कि वह यहां रहकर सिलाई का प्रशिक्षण देती हैं कलेक्टर ने लाइब्रोरी और फिजिओ सेंटर का निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि मैं आप सबका आशिर्वाद लेने बृद्धाश्रम आता रहूंगा इस अवसर पर चेयरमैन रेडक्रास सोसायटी डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी ने बृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी और कलेक्टर को बृद्धाश्रम का भ्रमण कराया इस दौरान संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, डिप्टी कलेक्टर राजेश कुमार सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर सुरभि जैन एवं बृद्धाश्रम के व्यवस्थापकगण उपस्थित रहे।

पर्याप्त मात्रा में है खाद का भण्डारण ई विकास पोर्टल से किसान ले सकते हैं खाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी हेतु प्रदेश में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान स्थिति में लगभग 6.40 लाख मेट्रिक टन यूरिया, 1.57 लाख मेट्रिक टन डीएपी, 3.56 लाख मेट्रिक टन एनपीके इस प्रकार 5.13 लाख मेट्रिक टन डीएपी एनपीके तथा 3.50 लाख मेट्रिक टन एसएसपी खाद उपलब्ध है। विषम वैश्विक परिस्थितियों के उपरांत भी भारत सरकार द्वारा प्रदेश में उर्वरको की आपूर्ति निर्बाध तथा तय कार्यक्रम अनुसार निरंतर की जा रही है। प्रदेश में उक्त उपलब्ध खाद सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार निजी दुकानवार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध है उप संचालक कृषि कल्याण यू.पी. बागरी ने किसान भाइयो से अनुरोध किया है कि आवश्यकतानुसार अपनी सोसायटी/मन पसंद दुकान से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर अपने खाद को उठा सकते है। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी वन पट्टाधारी, सिकमी किसान शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिसान को, धार्मिक संस्थान/ट्रस्ट आदि की जमीन के लिए खाद उपलब्ध कराने हेतु सुविधा दी गयी है। किसानो को खरीफ की फसलो की बोनी हेतु फसलो की अनुशंसित खाद की मात्रा अनुसार यूरिया एसएसपी, एनपीके डीएपी पोटाश खाद की पूर्ण मात्रा को एक बार में ही उठा सकता है। यदि किसान चाहे तो पुनः पोर्टल पर प्रक्रिया का पालन कर अपनी मर्जी अनुसार खाद बुक कर अपनी सुविधानुसार उठा सकता है।

त्यौंथर तहसील कार्यालय में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, बाबू अनिल त्रिपाठी 9500 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रहे लोकायुक्त टीम रीवा ने गुरुवार को त्यौंथर तहसील कार्यालय में बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए बाबू अनिल त्रिपाठी को 9500 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया कार्रवाई होते ही तहसील कार्यालय में हड़कंप मच गया शिकायतकर्ता अजय मिश्रा निवासी ग्राम डाढाकला पोस्ट चंद्रपुर थाना जनेह तहसील त्यौंथर ने 4 मई 2026 को लोकायुक्त कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू अनिल कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रकरण के निराकरण और पक्ष में फैसला करवाने के नाम पर 80 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। साथ ही बेदखली की कार्रवाई का डर दिखाकर दबाव बनाया जा रहा था लोकायुक्त टीम रीवा द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में ट्रैप दल गठित किया गया। और गुरुवार 7 मई को तहसीलदार कार्यालय त्यौंथर वृत्त चाक के कार्यालय कक्ष में आरोपी को 9500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। आरोपी अनिल त्रिपाठी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7(क) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है इस कार्रवाई का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त रीवा प्रवीण सिंह परिहार ने किया ट्रैप दल में निरीक्षक एस. राम. मरावी सहित 12 सदस्यीय टीम और स्वतंत्र शासकीय गवाह शामिल रहे लोकायुक्त संगठन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो तत्काल लोकायुक्त कार्यालय या दूरभाष के माध्यम से शिकायत करें बाइट - प्रवीण सिंह परिहार लोकायुक्त अधिकारी बाइट - अजय मिश्रा शिकायतकर्ता।

कलेक्टर ने पोस्ट मैट्रिक पिछड़ावर्ग कन्या छात्रावास का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने पोस्ट मैट्रिक पिछड़ावर्ग कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया और छात्राओं से संवाद करते हुए छात्रावास की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर को अचानक अपने बीच पाकर छात्रायें हतप्रभ रह गयीं। कलेक्टर ने उनसे कहा कि आप सबसे आपके माता-पिता की बड़ी उम्मीदें हैं आप सब मेहनत कर पढ़ाई करें और सफलता प्राप्त करते हुए आगे बढ़े। छात्राओं ने कलेक्टर से शौचालय में सुधार कार्य कराने, पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराने तथा खिड़कियों में जाली लगाने की मांग की कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारी को तत्काल व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये उन्होंने कहा कि छात्राओं के लिए परिसर में ही बैडमिंटन कोर्ट भी बनाया जायेगा इस अवसर पर संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे एवं डिप्टी कलेक्टर सुरभि जैन उपस्थित रहे।

जवा तहसील में नामांतरण फीडिंग को लेकर विवाद

किसान ने नायब तहसीलदार व पटवारी पर लगाए लेनदेन और लापरवाही के आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा राजस्व अनुभाग अंतर्गत तहसील कार्यालय में नामांतरण फीडिंग को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है तेदुनी हल्का के एक किसान ने आरोप लगाया है कि नामांतरण आदेश जारी होने के बावजूद कई महीनों से फीडिंग नहीं की गई जिससे उसे लगातार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं मामले में नायब तहसीलदार सर्किल अतरैला एवं हल्का पटवारी अमित द्विवेदी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए गए हैं पीड़ित किसान का आरोप है कि नामांतरण आदेश जारी होने के बाद पटवारी द्वारा फीडिंग प्रक्रिया पूरी नहीं की गई किसान का कहना है कि वह कई महीनों से तहसील कार्यालय और संबंधित अधिकारियों के पास जा रहा है लेकिन हर बार उसे आज-कल कहकर टाल दिया जाता है। आरोप यह भी लगाया गया है कि रिश्वत के लेनदेन नहीं होने के कारण जानबूझकर फीडिंग रोकी गई जानकारी के अनुसार,प्रतिवादी पक्ष द्वारा नामांतरण फीडिंग रोकने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिसके बाद नायब तहसीलदार द्वारा अस्थायी रोक लगा दी गई बाद में एसडीएम कार्यालय में भी स्टे की प्रक्रिया चली बताया गया कि 2 अप्रैल 2026 को एसडीएम कार्यालय से स्टे समाप्त होने के बाद भी संबंधित पटवारी द्वारा फीडिंग नहीं की गई। किसान का आरोप है कि कई बार फोन और संदेश के माध्यम से संपर्क करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला स्थानीय लोगों का कहना है कि जवा तहसील में सीमांकन नामांतरण खसरा-खतौनीफार्मर आईडी और अन्य राजस्व कार्यों के लिए किसानों को लंबे समय तक परेशान होना पड़ता है लोगों ने आरोप लगाया कि अधिकारी एवं कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहते जिससे आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है मामले को लेकर पीड़ित किसान ने नवागत जिला कलेक्टर से शिकायत करने की बात कही है किसान का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वह उच्च अधिकारियों के समक्ष पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराएगा इस संबंध में संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आ सका है अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए जांच और कार्रवाई करता है।

एनएसयुआई ने संबल योजना और छात्रवृत्ति की समस्याओं को लेकर, प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनएसयुआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य को विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में बी बी ए एवं बी सी ए पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के संबल कार्ड कोड जनरेट न होने तथा छात्रवृत्ति राशि नहीं मिलने की समस्या प्रमुख रूप से उठाई गई। पंकज उपाध्याय ने बताया कि संबल कार्ड का कोड जनरेट न होने के कारण विद्यार्थियों को एकमुश्त ?25 हजार से अधिक की फीस जमा करनी पड़ रही है। अधिकांश छात्र मध्यमवर्गीय एवं किसान परिवार से संबंध रखते हैं, जिसके चलते उनके लिए इतनी बड़ी राशि एक साथ जमा करना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही छात्रवृत्ति के नाम पर विद्यार्थियों से पूर्ण शुल्क जमा करवाया जाता है और यह आश्वासन दिया जाता है कि सत्र समाप्ति के बाद राशि छात्रवृत्ति के रूप में वापस कर दी जाएगी लेकिन विगत कई वर्षों से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। इससे विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है जारी प्रेस विज्ञप्ति में जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि यदि तीन दिन के अंदर विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो एनएसयूआई छात्रहित में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, रीवा विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी,जिला सचिव अजय सिंह, अ प्र सिं विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष विशू वर्धन सिंह, जेएनसीटी महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष आदि सैकड़ो की संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।